सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

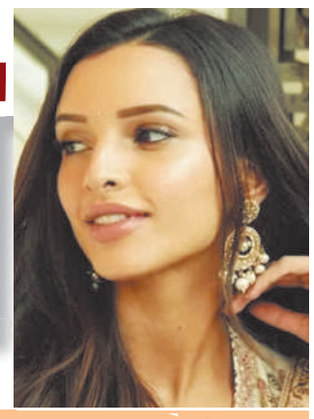

श्रेयस होते तो भारतीय टीम के लिए बदलाव का सामना करना आसान होता : नाइट -पेज: 7

तृप्ति डिमरी की लव स्टोरी पर लगा ब्रेक..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 72 | शुक्रवार 20 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

पहली बार बैकफुट पर ट्रंप, आप्रेशन सिंदूर पर बोले- भारत और पाक के दो समझदार नेताओं ने रोका परमाणु युद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी): अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहली बार बैकफुट पर आते हुए आप्रेशन सिंदूर पर कहा कि भारत और पाकिस्तान के दो बहुत समझदार नेताओं ने एक ऐसे युद्ध को रोकने का निर्णय लिया जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था। पिछले कुछ हफ्तों में यह पहली बार है जब ट्रंप ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष रोकने का श्रेय खुद नहीं लिया है। ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की दोपहर के भोजन पर मेजबानी करने के बाद ओवल कार्यालय में मीडिया से बातचीत में ये टिप्पणियां कीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह मुनीर से मुलाकात कर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह पूछने पर कि क्या मुनीर के साथ हुई बैठक में ईरान पर चर्चा की गयी, ट्रंप ने कहा, खैर, वे ईरान को बहुत अच्छी तरह, ज्यादातर लोगों से बेहतर जानते हैं और वे किसी भी चीज से खुश नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि इजराइल के साथ उनके खराब रिश्ते हैं। वे असल में दोनों

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहली बार बैकफुट पर आते हुए आप्रेशन सिंदूर पर कहा कि भारत और पाकिस्तान के दो बहुत समझदार" नेताओं ने एक ऐसे युद्ध को रोकने का निर्णय" लिया ...

को जानते हैं लेकिन शायद वे ईरान को बेहतर जानते हैं लेकिन वे देख रहे हैं कि क्या चल रहा है और उन्होंने मुझसे सहमति जतायी है। ट्रंप ने कहा, मैं उन्हें यहां इसलिए बुलाना चाहता था कि मैं युद्ध न करने, संघर्ष खत्म करने के लिए उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। जैसा कि आप जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ समय पहले यहां से गए हैं और हम भारत के साथ एक व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं इसलिए भी मैं धन्यवाद देना चाहता हूं। हम पाकिस्तान के साथ व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कनाडा के कनैनिस्किस में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात करने का कार्यक्रम था लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति को इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण समय से पहले वाशिंगटन लौटना पड़ा, जिसके कारण उनकी मोदी से मुलाकात नहीं हो पायी। हालांकि, दोनों नेताओं ने फोन पर बातचीत की। ट्रंप ने कहा, वे दोनों (मोदी और मुनीर) यहां थे लेकिन कुछ सप्ताह पहले मैं मोदी के साथ था। मैं बहुत खुश हूं कि दो बहुत समझदार नेताओं ने युद्ध आगे न बढ़ाने का फैसला किया। यह परमाणु युद्ध में बदल सकता था। वे दो परमाणु संपन्न देश, बहुत बड़ी परमाणु शक्तियां हैं और उन्होंने यह फैसला लिया। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में आतंकवादी बुनियादी ढांचा नष्ट किया था और ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इसके बाद यह पहली बार है जब ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रोकने का श्रेय नहीं लिया है। भारत और पाकिस्तान के 10 मई को सैन्य संघर्ष रोकने का फैसला लेने के बाद से ट्रंप कई मौकों पर यह दावा करते रहे हैं कि उन्होंने दोनों देशों के बीच तनाव रोकने में मदद की और उन्होंने दोनों परमाणु संपन्न दक्षिण एशियाई देशों से कहा था कि अगर वे संघर्ष रोकते हैं तो अमेरिका उनके साथ बहुत व्यापार करेगा। इस्लामाबाद में पाकिस्तानी सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ विदेश मंत्री सीनेटर मार्को रुबियो और पश्चिम एशिया मामलों के लिए

भारत से गिनी तक रेल सहयोग की नई शुरूआत, पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 जून 2025 को बिहार के मरहौरा रेल कारखाने में निर्मित पहले स्वदेशी लोकोमोटिव इंजन को गिनी गणराज्य को निर्यात किए जाने के लिए हरी झंडी दिखाएंगे। यह अवसर भारत के लिए न केवल औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार और 'मेक इन इंडिया' पहल की वैश्विक साख को भी मजबूत करने वाला है। इस ऐतिहासिक जानकारी की पुष्टि रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार विभाग के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने बुधवार को की। गिनी के लौह अयस्क प्रोजेक्ट के लिए भारत बनेगा रणनीतिक साझेदार मरहौरा में निर्मित इन लोकोमोटिव इंजनों का उपयोग अफ्रीकी देश गिनी के सिमफेर क्षेत्र में स्थित सिमंडौ लौह अयस्क परियोजना में किया जाएगा। इस पूरी आपूर्ति की अनुमानित लागत 3,000 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है जो भारत और गिनी के बीच औद्योगिक सहयोग को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। तीन वर्षों में चरणबद्ध रूप से होगी डिलीवरी रेल मंत्रालय के अनुसार, इन इंजनों की आपूर्ति तीन चरणों में पूरी की जाएगी: 2025-26 (चालू वित्त वर्ष) में 37 इंजन, 2026-27 (अगला वित्त वर्ष) में 82 इंजन, 2027-28 (तीसरा वर्ष) में शेष 31 इंजन। इन सभी इंजनों का निर्माण मरहौरा रेल फैक्ट्री में अत्याधुनिक तकनीक के साथ किया गया है, जो भारत की निर्माण क्षमता और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता को दशार्ता है।

सीएम योगी आजमगढ़ और गोरखपुर में करेंगे लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण, सुरक्षित यात्रा के साथ प्रगति को भी लगेंगे पंख

गोरखपुर (एजेंसी): मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रोड कनेक्टिविटी की शानदार सौगात गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का शुक्रवार को लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण का समारोह करीब 92 किमी लंबे लिंक एक्सप्रेसवे के दोनों छोरों आजमगढ़ के सलारपुर और गोरखपुर के भगवानपुर टोलप्लाजा के पास होगा। आजमगढ़ वाले छोर पर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण और जनसभा करने के बाद मुख्यमंत्री एक्सप्रेसवे का भ्रमण करते हुए गोरखपुर वाले छोर पर आएंगे और यहां भी लोकार्पण की औपचारिकता के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल के विकास के नए गेटवे के रूप में देखा जा रहा है।विकास की असीम संभावनाओं को प्रशस्त करने वाले मार्ग के रूप

में तैयार किए गए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 91.35 किमी है। यह गोरखपुर के एनएच-27 पर जैतपुर के पास शुरू होकर आजमगढ़ के सलारपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से मिलता है। चार जिलों गोरखपुर, संतकबीरनगर, अंबेडकरनगर और आजमगढ़ में पड़ने वाला पूर्णतः प्रवेश नियंत्रित यह एक्सप्रेसवे फोरलेन में निर्मित है और इसे भविष्य में सिक्सलेन तक विस्तारित किया जा सकता। एक्सप्रेसवे की इस परियोजना पर भूमि अधिग्रहण सहित 7283.28 करोड़ रुपये की लागत आई है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण दो पैकेज में गोरखपुर के जैतपुर से अंबेडकरनगर के फुलवरिया तक (48.317 किमी) तथा फुलवरिया से आजमगढ़ के सलारपुर तक (43.035 किमी) किया गया है। पहले पैकेज का निर्माण कार्यदायी संस्था के रूप में एपको इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड और दूसरे पैकेज का निर्माण दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड ने कराया है। आवागमन सुगमता की मिसाल बनेगा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे आवागमन सुगमता की मिसाल बनेगा। स्थानीय स्तर पर गोरखपुर के दक्षिणांचल (उरूवा, धुरियापार, खजनी, बेलघाट) जाने में स्थानीय लोगों को काफी कम समय लगेगा। अभी गोरखपुर मुख्यालय से उरूवा जाने में एक घंटे लग जाते हैं, लिंक एक्सप्रेसवे पर फरार्टा भरते हुए समीपस्थ चैनेज से उतरकर सिर्फ 20 से 25 मिनट लगेगा।

आने वाले समय में अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी, भाषा विवाद के बीच गृहमंत्री अमित शाह ने ऐसा क्यों कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्र की असली पहचान उसकी अपनी भाषा से होती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय भाषाओं के महत्व पर विशेष जोर देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हमें अपनी भाषाई विरासत को पुनः सहेजना होगा और देशी भाषाओं पर गर्व करते हुए दुनिया में नेतृत्व करना होगा। विदेशी भाषा से देश को पूरी तरह नहीं समझा जा सकता उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच प्रणों का उल्लेख किया, जिनमें शामिल हैं विकसित भारत का निर्माण, गुलामी के मानसिक बंधनों से मुक्त होना, अपनी विरासत पर गर्व करना, एकता और अखंडता बनाए रखना, तथा हर नागरिक में कर्तव्यबोध जागृत करना। अमित शाह ने कहा कि ये पांच संकल्प देश के हर नागरिक के

लिए मार्गदर्शक बन गए हैं। 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पाने में हमारी भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। प्रशासनिक प्रशिक्षण में सहानुभूति का समावेश जरूरी गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व आईएएस अधिकारी आशुतोष अग्निहोत्री की पुस्तक मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं के विमोचन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहानुभूति को शामिल करने पर बल दिया। शाह ने कहा कि वर्तमान प्रशिक्षण मॉडल ब्रिटिश काल से प्रभावित है, जिसमें सहानुभूति की कोई जगह नहीं है। उनका मानना है कि यदि कोई शासक बिना सहानुभूति के शासन करता है, तो वह अपने शासन के वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकता। अमित शाह ने यह भी कहा कि जल्द ही इस देश में अंग्रेजी बोलने वाले खुद को शर्मिंदा महसूस करेंगे। ऐसा समाज बनाना कोई बड़ी बात नहीं लेकिन इसके लिए केवल दृढ़ संकल्प वाले लोग ही बदलाव ला सकते हैं। उनका मानना है कि हमारी भाषाएं हमारी संस्कृति के अमूल्य रत्न हैं। बिना अपनी भाषा के हम सच्चे भारतवासी नहीं कहलाएंगे। देश, संस्कृति, इतिहास और धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं है।

सोनिया गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी, पेट में संक्रमण की समस्या के बाद 15 जून को हुई थीं भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को गुरुवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। वह गत 15 जून को पेट संबंधी शिकायत के बाद दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हुईं थी। अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरुप ने कहा कि सोनिया गांधी जी स्थिति अब बेहतल है और उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। इससे पहले, डॉक्टरों ने हेल्थ अपडेट जारी की थी। इसमें डॉ. एस. नंदी और डॉ. अमिताभ यादव ने बताया कि उन्हें पेट में संक्रमण के कारण भर्ती कराया गया था, जिसका सफलतापूर्वक इलाज किया गया। उनकी हालत में सुधार है और उन्हें आज छुट्टी देने की योजना है। उनका आगे का इलाज जारी रहेगा और उनकी बारीकी से निगरानी की जाएगी। सात जून को शिमला में भी बिगड़ी थी तबीयत बता दें, इससे पहले सात जून को भी उनकी तबीयत

खराब हो गई थी। तब वह निजी दौरे पर शिमला गई थीं। तब उन्हें वहीं के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में जब वह दिल्ली पहुंची तो उन्हें नियमित जांच के लिए सर गंगाराम अस्पताल भी ले जाया गया था। इससे पहले, डॉक्टरों ने हेल्थ अपडेट जारी की थी। इसमें डॉ. एस. नंदी और डॉ. अमिताभ यादव ने बताया कि उन्हें पेट में संक्रमण के कारण भर्ती कराया गया था, जिसका सफलतापूर्वक इलाज किया गया। उनकी हालत में सुधार है और उन्हें आज छुट्टी देने की योजना है। उनका आगे का इलाज जारी रहेगा और उनकी बारीकी से निगरानी की जाएगी। बता दें, इससे पहले सात जून को भी उनकी तबीयत खराब हो गई थी। तब वह निजी दौरे पर शिमला गई थीं। तब उन्हें वहीं के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में जब वह दिल्ली पहुंची तो उन्हें नियमित जांच के लिए सर गंगाराम अस्पताल भी ले जाया गया था।

क्या ओसामा बिना लादेन को भूल गया अमेरिका, ट्रंप और आसिम मुनीर की मुलाकात पर ऐसा क्यों बोले शशि थरूर?

नई दिल्ली (एजेंसी): अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को लंच मीटिंग के लिए पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को आमंत्रित किया था। यह मुलाकात व्हाइट हाउस में हुई थी। ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान में संघर्ष को बढ़ने से रोकने के लिए आसिम मुनीर की तारीफ की थी। इस मुलाकात को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने टिप्पणी की है। थरूर ने कहा कि अमेरिका को साल 2001 में वर्ल्ड ट्रेड टावर पर हुए हमले के लिए जिम्मेदार अलकायदा के चीफ ओसामा बिन लादेन को भूलना नहीं चाहिए। जब अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन को ढूंढा तो वो कहीं और नहीं पाकिस्तान में ही रह रहा था। अमेरिका को पाकिस्तान की गलती नहीं भूलनी चाहिए: शशि थरूर शशि थरूर ने कहा,"कुछ सीनेटर्स और सांसदों ने पाक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। लेकिन अमेरिका के लोग ओसामा बिन लादेन को इतनी जल्दी नहीं भूल सकते। इस व्यक्ति पाकिस्तान ने शरण दी थी। पाकिस्तान की इस

गलती को अमेरिका को नहीं भूलना चाहिए। वहीं, पाकिस्तान पोषित आतंकवादी लगातार भारत में आतंकी हमले को अंजाम दे रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा,"मुझे उम्मीद है कि डाइनिंग टेबल पर राष्ट्रपति ट्रंप ने आसिम मुनीर को पाकिस्तान पोषित आतंकियों को लेकर सवाल पूछे होंगे। बता दें कि भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान सेना का अहम रोल है। खासकर पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर का।"वहीं, ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में मारे गए आतंकियों के जनाजे में जिस तरह पाकिस्तान की सेना अधिकारियों की मौजूदगी थी, उसने दुनिया को यह दिखाया कि पाकिस्तान की सेना किस हद तक आतंकियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहती है।उन्होंने आगे कहा,"मुझे उम्मीद है कि

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को लंच पर बुलाने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी है। थरूर ने कहा कि अमेरिका को ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान द्वारा शरण देने की बात नहीं भूलनी चाहिए।

डाइनिंग टेबल पर राष्ट्रपति ट्रंप ने आसिम मुनीर को पाकिस्तान पोषित आतंकियों को लेकर सवाल पूछे होंगे। बता दें कि भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान सेना का अहम रोल है। खासकर पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर का।"वहीं, ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई में मारे गए आतंकियों के जनाजे में जिस तरह पाकिस्तान की सेना अधिकारियों की मौजूदगी थी, उसने दुनिया को यह दिखाया कि पाकिस्तान की सेना किस हद तक आतंकियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहती है।

पटना में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के 1 पोलो रोड स्थित आवास के पास गोलीबारी, पुलिस ने जांच शुरू की

पटना (एजेंसी): बिहार के पटना में 1 पोलो रोड पर राजद नेता और पार्टी के संस्थापक लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव के आवास के पास गोलीबारी की घटना की सूचना अधिकारियों ने गुरुवार को दी। समाचार एजेंसी पीटीआई ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि पुलिस मौके पर पहुंच गई है और जांच जारी है। पुलिस का दावा है कि गुरुवार सुबह पोलो रोड पर जनता दल (यूनाइटेड) के मंत्री अशोक चौधरी और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव के आवास के पास मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने एक युवक पर कथित तौर पर गोलीबारी की। पुलिस का दावा है कि यह लूट का प्रयास था। पोलो रोड इलाका, जो एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है, पटना के सबसे सुरक्षित इलाकों में से एक माना जाता है, जहां कई मंत्री, जज और वरिष्ठ अधिकारी रहते हैं। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने एक डॉक्टर के ड्राइवर राहुल को लूटने का प्रयास किया, जो सुबह करीब 8:15 बजे काम पर जा रहा था। पीड़ित सुरक्षित बच गया और हमलावरों ने 400 रुपये नकद लूट लिए, लेकिन उसका फोन और अन्य सामान नहीं छोड़ा। दो बाइक सवार हमलावरों ने कथित तौर पर राहुल नामक युवक पर

लूटपाट के इरादे से गोली चलाई। सौभाग्य से, युवक सुरक्षित बच गया। गोलीबारी के बाद हमलावर मौके से भाग गए। पुलिस ने मौके से एक गोली का खोखा बरामद किया है और फरार अपराधियों को पकड़ने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में सुबह करीब 8:15 बजे एक युवक से झपटमारी का मामला सामने आया। अपाचे बाइक पर सवार हमलावरों ने उसे धक्का दिया, जिससे वह गिर गया। हाथापाई के दौरान गोली भी चली, लेकिन सौभाग्य से कोई घायल नहीं हुआ। पास में एक झुग्गी बस्ती है, और फिलहाल मामले की जांच चल रही है, दीक्षा, सिटी एसपी, सेंट्रल ने कहा। पटना फायरिंग पर तेजस्वी यादव तेजस्वी यादव ने फेसबुक पोस्ट में बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए इसे जंगल राज बताया। उन्होंने आगे कहा कि राज्य द्वारा संरक्षित अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में खुलेआम गोलीबारी कर रहे हैं - राजभवन (राज्यपाल का आवास), मुख्यमंत्री का आवास, विपक्ष के नेता का आवास, न्यायाधीशों के आवास और हवाई अड्डे से कुछ ही दूरी पर। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि वह "राष्ट्रीय दामाद आयोग" (एनडीए) की बैठक में भाग लेने आ रहे हैं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी रोजगार बांटने, गरीबी खत्म करने या पलायन रोकने नहीं आ रहे हैं, बल्कि एक बार फिर बिहार के लोगों को "धोखा" देने आ रहे हैं। तेजस्वी यादव का 1 पोलो रोड बंगला पिछले साल अक्टूबर में भी चर्चा में रहा था, जब उन पर 5 देशरत्न मार्ग स्थित अपने पिछले सरकारी आवास को खाली करते समय नए एयर कंडीशनर (एसी) को पुराने से बदलने के आरोप लगे थे।

बिहार के पटना में 1 पोलो रोड पर राजद नेता और पार्टी के संस्थापक लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव के आवास के पास गोलीबारी की घटना की सूचना अधिकारियों ने गुरुवार को दी।

संपादकीय

ट्रंप की नूराकुश्ती

मध्य-पूर्व में अमेरिका और इस्त्राइल को नया शिकार मिल गया है। ट्रंप और नेतनयाहू की जुगलबंदी से ईरान तबाही की ओर बढ़रू रहा है। अलग-थलग पड़.चुका ईरान कितना प्रतिरोध कर पाएगा यह तो भविष्य ही बताएगा क्योंकि जहां से मदद की उसे उम्मीद थी वह रूस तीन साल से यूक्रेन से पार नहीं पा सका है, और चीन इस्त्राइल को संयम रखने वाली नसीहतें देकर काम चला रहा है। इस समय दुनिया की जो हालत है उसमें सबने अपने-अपने टारगेट तय किए हुए हैं, चीन को भी कालांतर में ताइवान से निपटना है। ट्रंप की चेतावनियों से तो लगता है कि अमेरिका युद्ध में कूद ही पड़ा है। अमेरिका पहले अपने शत्रु तैयार करता है और फिर विध्वंसक रासायनिक, परमाणु हथियार बनाने और लोकतंत्र हनन के अनर्गल आरोप लगा कर लड़ाई करता है। इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया की तबाही इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। दरअसल, अमेरिका की मजबूत हथियार लॉबी, जो नये-नये हथियार

ईजाद करती है, के हथियारों का कहीं परीक्षण भी तो होना चाहिए। युद्ध के बहाने हथियारों का परीक्षण हो जाता है और कई देश दहशत में भी आ जाते हैं। हथियारों की बिक्री का यह उसका आजमाया हुआ तरीका है। इस्त्राइल की मदद के बहाने अमेरिका ईरान के पीछे पड़ा है जो ईरान उसके साथ पांच दौर की परमाणु वार्ता कर चुका था, छठे दौर की वार्ता से ठीक पहले अमेरिका ने इस्त्राइल को उकसा कर हमला करवा दिया। ईरान परमाणु हथियार विकसित करने का सपना छोड़.कर परमाणु के शांतिपूर्ण इस्तेमाल पर सहमत होने ही वाला था कि इस्त्राइल ने युद्ध छेड़.दिया। इस खेल में ट्रंप की मिलीभगत है। ट्रंप अब ईरानियों को तेहरान छोड़.जाने की चेतावनी दे रहे हैं। वह अब खेल को लोकतंत्र स्थापना के नाम पर खेलना चाहते हैं। ईरान के शीर्ष नेता खामेनेई को उन्होंने विलेन घोषित कर दिया है और ईरानी जनता को खामेनेई से मुक्ति दिलाने के बहाने भड़काने की पूरी तैयारी है। इसी के चलते ट्रंप यह जानने का दावा भी कर रहे हैं कि खामेनेई कहां छिपे हैं। यह युद्ध अब पूरी तरह प्रोपेगैंड़ा के आधार पर लड़ा जा रहा है। इसमें पश्चिमपरस्त मीड़िया की अहम भागीदारी है। इस्त्राइल और अमेरिका के दावों को तो बढ़ा-चढ़ा कर बताया-दिखाया जा रहा है। ईरान में हुए नुकसान को ही मिर्च मसाला लगा कर बताया जा रहा है जबकि ईरान का प्रतिरोध और इस्त्राइल में हो रही क्षति की बातें कम करके बताई जा रही हैं। ट्रंप मामले में खालिश नूराकुश्ती कर रहे हैं, और विश्वसनीय नहीं रहे।

कटाक्ष/सहीराम

फिर मौका है

लो जी, एक बार फिर मौका आ गया वॉर रुकवाने का। यह मौका अमेरिका को तो जी गाहे-बगाहे मिल ही जाता है। आखिर तो वह अमेरिका है। और अमेरिका का राष्ट्रपति अगर ट्रंप हो तो फिर वह मौका न भी मिले तो छीन लेता है। जैसे इधर हमारा पाकिस्तान से जो नन्हा सा युद्ध हुआ, उसे रोकने का श्रेय उसने न हमें लेने दिया और न ही पाकिस्तान को। बोला-इसका श्रेय तो मैं ही लूंगा। तुम नहीं लेने दोगे तो मैं जबर्दस्ती लूंगा। शोर मचा दूंगा। हल्ला काट दूंगा। क्या कर लोगे। आखिर तो मैं अमेरिका ही नहीं, ट्रंप भी तो हूं। कुछ लोग इसे करेला और नीम चढ़ा भी कह सकते हैं। तो अमेरिका को तो यह मौका मिलता ही रहता है। क्योंकि न तो वह दुनिया में युद्ध रोकने देता है और न ही चौधराहट छोड़ता है। कोई उसे विश्व दरोगा कहता है, कोई उसे दुनिया का चौधरी कहता है। पता नहीं आखिर वह बला क्या है।

लेकिन अब तो यह मौका एक फिर से हमें भी मिल रहा है। एक बार पहले जब रूस-यूक्रेन युद्ध रोकवाने का मौका मिला था तो वह यूक्रेन में फंसे अपने छात्रों के बहाने से मिला था। पता नहीं किसकी नजर लगी कि वह श्रेय हमें मिल नहीं पाया। फिर अभी हम ट्रंप भी तो नहीं हुए कि श्रेय जबर्दस्ती ले लें। लोग कह रहे हैं कि हो सकता है यह नजर मणिपुर की ही लगी हो। अब उन्हें कौन बताए कि जिस मणिपुर को खुद ही किसी की नजर लगी हो, वह किसी और को क्या नजर लगाएगा भला। फिर भी जलकुकड़े कहने से बाज नहीं आए कि मणिपुर की मार-काट तो रोकवा नहीं पा रहे। उसके बाद तो खैर हमारा अपना ही पाकिस्तान से युद्ध हो गया। वॉर रुकवाने से वॉर करने तक का सफर यूं रहा।

अब इसे मेहरबानी तो किस की कहें, पर एक बार फिर वॉर रुकवाने का मौका मिल रहा है। खैर बहाना एक बार फिर से छात्र ही बन रहे हैं। अब ईरान में भी हमारे छात्र फंसे हुए हैं। जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध रोकवा कर-जैसा कहा गया-उन छात्रों को निकाला गया था, वैसे ही अब इन छात्रों को भी निकाल ही लेना चाहिए। फिर जैसे पुतिन और जेलेंस्की से दोस्ती थी, वैसी ही दोस्ती बीबी-यानी नेतन्याहू और ईरानी नेताओं-से भी है ही। एक से थोड़ी ज्यादा गाढ़ी होगी तो दूसरों से थोड़ी हल्की होगी। दुनिया घूमने का आखिर, इतना फायदा तो होना ही चाहिए। नहीं क्या?

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विश्व शरणार्थी दिवस : मान्यता के माध्यम से एकजुटता

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर हर वर्ष विश्व शरणार्थी दिवस 20 जून को मनाया जाता है जिसकी प्रतिवर्ष एक थीम होती है,जो 20 जून 2025 की थीम मान्यता के माध्यम से एकजुटता है।असल में,दुनिया भर में एक बड़ी संख्या में शरणार्थी रहते हैं। इनके साथ आए दिन प्रताड़ना, संघर्ष और हिंसा जैसी कई चुनौतियों के कारण इनको अपना देश छोड़कर बाहर भागने को मजबूर होना पड़ता है। जिसके बाद इन सभी को कईं देशों में पनाह मिल जाती है। वहीं, कई देशों से इनको निकाल भी दिया जाता है। बेशक इन्हें पनाह मिल जाए, लेकिन वो सम्मान और अधिकार नहीं मिल पाते।शरणार्थी के साहस, शक्ति और संकल्प के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। इसके साथ ही इस दिन को मनाये जाने का एक अन्य उद्देश्य शरणार्थियों की बुरी दुर्दशा की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना और उनकी समस्याओं का हल करना है,संयुक्त राष्ट्र 1951 शरणार्थी सम्मेलन और इसके प्रोटोकाल 1967, हालांकि भारत अमेरिका ने इसपर हस्ताक्षर नहीं किए हैं,परंतु इसके अनुसार शरणार्थी सम्मेलन और इसका 1967 प्रोटोकॉल अत्यंत महत्वपूर्ण है शरणार्थी दुनियाँ के सबसे कमजोर लोगों में से हैं। यह सम्मेलन और प्रोटोकॉल उनकी सुरक्षा में मदद करता है। वे एकमात्र वैश्विक कानूनी साधन हैं जो स्पष्ट रूप से एक शरणार्थी के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर करते हैं। उनके प्रावधानों के अनुसार, शरणार्थी, कम से कम, किसी दिए गए देश में अन्य विदेशी नागरिकों के साथ व्यवहार के समान मानकों के पात्र हैं और, कई मामलों में,नागरिकों के समान व्यवहार।1951 के कन्वेंशन में कई अधिकार शामिल हैं और यह अपने मेजबान देश के प्रति शरणार्थियों के दायित्वों पर भी प्रकाश डालता है। 1951 के कन्वेंशन की आधारशिला गैर-रिफाउलमेंट का सिद्धांत है। इस सिद्धांत के अनुसार, एक शरणार्थी को उस देश में नहीं लौटाया जाना चाहिए जहां उसे अपने जीवन या स्वतंत्रता के लिए गंभीर खतरा है। शरणार्थियों द्वारा इस सुरक्षा का दावा नहीं किया जा सकता है,जिन्हें देश की सुरक्षा के लिए उचित रूप से खतरा माना जाता है, या विशेष रूप से गंभीर अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है,उन्हें समुदाय के लिए खतरा माना जाता है। परंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भाववाणी गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं कि अभी 1951 सम्मेलन तथा 1967 के प्रोटोकॉल को संशोधन करने की जरूरत आन पड़ी है? क्योंकि वर्तमान समय में हम अमेरिका- भारत-पाकिस्तान सहित अनेकों देशों में हो रहे गंभीर दंगों व आवर्जन विवादों के कारण माहौल दंगों में बदलने की संभावना हो गई है?भारत का ऑपरेशन पुशबैक व अमेरिका का टारगेट@3000 से दंगा भड़क उठा है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे वैश्विक परिपेक्ष में जबरन स्वार्थी पलायन शरणार्थी बनाम भय उत्पीड़न हिंसा व पर्यावरणीय जलवायु परिवर्तन शरणार्थी।

साथियों बात अगर हम अमेरिका की करें तो,वहां भी घुसपैठ का हाल कमोबेश ऐसा ही है। यह जब एक बार घुसपैठिया अंदर आ जाता है तो उसको डिपोर्ट करना भी इसी तरह एक लंबा और विवादास्पद मामला बन जाता है। अमेरिका में लॉस एंजिल्स न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को जैसे कुछ ऐसे शहर हैं,जहाँ अधिकारियों को इन घुसपैठियों से पूछताछ करने या उन्हें हिरासत में लेने की अनुमति नहीं है। ये शहर डिपोर्ट करने के आदेशों या पुलिस के साथ सहयोग करने से साफ इनकार करते हैं, उन्हें कानून प्रवर्तन के राजनीतिक हथियार के रूप में देखते हैं।जून 2025 की शुरूआत से लॉस एंजिल्स में इसी से जुड़ा एक नाटक चल रहा है। यहाँ घुसपैठियों पर जब एक्शन चालू हुआ तो इसके विरोध में प्रदर्शन होने लगे। पुलिस ने इन प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस और रबर की गोलियाँ चलाई। यहाँ इसके बाद यूनियन नेता को गिरफ्तार कर लिया गया, सरकार ने इसके बाद टाइटल 10 कानून के तहत 4,000 नेशनल गार्ड सैनिकों और 700 मरीन को तैनात करके जवाब दिया। इसके बाद तो बवाल और बढ़ा। कई कारों को जला दिया गया, सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया, कई पत्रकारों को घायल कर दिया गया। इस पूरे बवाल से ट्रंप सरकार की घुसपैठियों को लेकर नीति और किसी शहर को उनके लिए स्वर्ग बनाने की राजनीति माना जा सकता है। इन सब चक्करों में डिपोर्टेशन और भी कठिन हो जाता है। भले ही अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति सख्त सीमा प्रवर्तन और भूमि से अवैध अप्रवासियों को हटाने के लिए जोर दे रहे हैं, लेकिन कानूनी प्रणाली और कुछ विशिष्ट शहर इससे कड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो यहाँ भी वर्तमान में ऑपरेशन पुशबैक चल रहा है। इसके तहत बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने का प्रयास हो रहा है। यह कार्रवाई अभी कुछ हजार लोगों तक ही सीमित है।भारतीय फैशन,असल में एक बार जब अवैध प्रवासी किसी देश में प्रवेश कर जाते हैं तो चाहे वह भारत हो, अमेरिका फिर या यूरोप के देश, तो उन्हें वापस भेजना कानूनी अड़चन, राजनीतिक विरोध और एक्टिविज्म का एक चक्रव्यूह बन जाता है। कायदा तो यह होना चाहिए कि किसी देश में अवैध रूप से रहने वालों को उठा कर सीधे वापस भेज दिया जाना चाहिए। हालाँकि, यह लंबी अदालती लड़ाइयों, एक्टिविज्म और कानूनी दाँवपेंच में बदल गया है। दिलचस्प बात यह है कि जहाँ भारत जैसे देशों में घुसपैठियों को बाहर निकालना मुश्किल का काम है, वहीं पाकिस्तान धड़ाधड़ अफगानिस्तान के लोगों को निर्वासित कर रहा है। रिपोर्ट बताती है कि फरवरी 2025 तक, पाकिस्तान ने 8 लाख से ज्यादा अफगानों को बिना किसी बवाल के डिपोर्ट कर दिया है।

साथियों बात अगर हम भारत अमेरिका के 1951 के शरणार्थी सम्मेलन व1967 के प्रोटोकॉल में शामिल नहीं होने की करें तो, भारत शामिल नहीं है। इसका मतलब है कि भारत कानूनी रूप से इन अंतर्राष्ट्रीय समझौतों द्वारा बाध्य नहीं है, जो शरणार्थियों के अधिकारों को परिभाषित करते हैं और देशों को उन्हें वापस अपने देशों में भेजने से रोकते हैं। हालांकि, भारत ने हमेशा पड़ोसी देशों से आने वाले शरणार्थियों को मानवीय आधार पर स्वीकार किया है और उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया है। भारत का मानना है कि शरणार्थी समस्या एक द्विपक्षीय मुद्दा है और स्थिति सामान्य होने पर शरणार्थियों को अपने देशों में वापस लौट जाना चाहिए। भारत में शरणार्थियों के लिए कोई विशिष्ट कानून नहीं है, लेकिन संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत, सभी व्यक्तियों को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार है, चाहे वे भारत के नागरिक हों या नहीं। इसका मतलब है कि शरणार्थियों को भी इस अधिकार से सुरक्षा मिलती है, और उन्हें मनमाने ढंग से वापस नहीं भेजा जा सकता है। भारत में शरणार्थी समस्या के समाधान के लिए एक स्पष्ट शरणार्थी नीति की आवश्यकता है जो शरणार्थियों के प्रबंधन के लिएपारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था का निर्माण करे। अमेरिका 1951 के अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी सम्मेलन में शामिल नहीं है, लेकिन उसने 1967 के प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए हैं, 1967 का प्रोटोकॉल 1951 के सम्मेलन के दायरे को व्यापक बनाता है,इसका मतलब है कि अमेरिका ने शरणार्थियों की स्थिति से संबंधित कुछ दायित्वों को स्वीकार किया है, लेकिन सभी दायित्वों को नहीं, 1951 का शरणार्थी सम्मेलन शरणार्थियों की परिभाषा और उन्हें प्रदान किए जाने वाले अधिकारों को निर्धारित करता है, 1980 का शरणार्थी अधिनियम अमेरिकी आव्रजन कानून में शरणार्थी की परिभाषा और शरण की प्रक्रिया को शामिल करता है. इस अधिनियम में, अमेरिका ने 1967 के प्रोटोकॉल के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने की बात कही है। साथियों बात अगर हम सही अर्थों में शरणार्थी दिवस के समर्पित पीड़ितों की करें तो, बता दें कि विश्व शरणार्थी दिवस उन लोगों के लिए समर्पित दिन है, जो किसी मजबूरी के कारण अपने घर से बाहर रहने के लिए मजबूर होते हैं और वहां पर कई तरह की परेशानियों का सामना करते हैं. दुनियाभर के कई देशों में देखा गया है कि लोग आपदा, बाढ़, किसी महामारी,युद्ध के कारण,हिंसा समेत अन्य कारणों से अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर हुए हैं. संयुक्त राष्ट्र ने विश्व भर में ऐसे लोगों के मदद और उनके संघर्षों के लिए इस दिन को उनके लिए समर्पित किया है. इतना ही नहीं इन शरणार्थी को प्रेरित किया जाता है, वह दूसरे देशों में जाकर खुद के जीवन को दोबारा से शुरू कर सकते हैं. जिससे उन्हें और उनके परिवार को वहां पर नया जीवन मिले और उन्हें जीवन जीने के लिए बेहतर सुविधाएं भी मिल सके।

अतः अगर हम अपरूप पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व शरणार्थी दिवस 20 जून 2025 - मान्यता के माध्यम से एकजुटता वैश्विक बदलते परिपेक्ष में जबरन स्वार्थी पलायनशरणार्थी बनाम भय उत्पीड़न हिंसा व पर्यावरणीय जलवायु परिवर्तन पीड़ित शरणार्थी।दुनियाँ की बदलती परिस्थितियों से क्या अंतरराष्ट्रीय शरणार्थी सम्मेलन 1951व इसके प्रोटोकॉल 1967 के संशोधन की जरूरत नहीं?भारत के ऑपरेशन पुशबैक व अमेरिका के टारगेट@3000 इसके सटीक उदाहरण हैं।

मुद्दा: ड़िजिटल होगी जाति जनगणना

प्रमोद भार्गव

दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की जनगणना की अधिसूचना जारी हो गई है। कोविड महामारी के कारण 2021 में होने वाली यह जनगणना अब शुरू होगी। कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष जातिवार जनगणना कराने की मांग कर रहा था। अचानक मोदी सरकार ने जातिवार जनगणना कराने का फैसला लेकर उसे चौंका दिया क्योंकि अब यह मुद्दा हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। सभी वर्गों की प्रमुख जातियों के साथ उपजातियों की जनगणना के आंकड़े जब सामने आएंगे, तब यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि सैद्धांतिक रूप से जातिगत गणना कराना उचित था या नहीं?

ई-बाजार, ई-आवेदन, ई-रेल व बस में आरक्षण ई-भुगतान के बाद अब ई-जनगणना यानी डिजिटल गिनती होगी। इस गिनती में जाति की गिनती भी साथ-साथ होगी। इसमें जन्म और मृत्यु, दोनों ही डिजिटल जनगणना से जुड़े होंगे। हर जन्म के बाद डिजिटल जनगणना खुद ही अद्यतन हो जाएगी और जब किसी की मृत्यु होगी तो उसका नाम खुद ही डाटा से डिलीट हो जाएगा। सेंसर रजिस्टर यानी जनगणना में बच्चे के जन्म, माता-पिता, जाति और जन्म स्थान की जानकारी समेत 16 भाषाओं में 36 प्रश्नों के उत्तर दर्ज हो जाएंगे। बालक जब 18 साल का होगा तो खुद ही उसका नाम चुनाव आयोग के पास चला जाएगा। नतीजतन, उसका मतदाता पहचान पत्र बनने के साथ मतदाता सूची में भी नाम स्वयमेव दर्ज हो जाएगा। फिर जब किसी की मौत हो जाएगी तो ऑनलाइन जनगणना के डाटा से उस शख्स का नाम खुद ही डिलीट भी हो जाएगा। इस तरह से जनगणना का डाटा हमेशा खुद अद्यतन होता रहेगा। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) की प्रक्रिया पर करीब 12000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। डिजिटल जनगणना की घोषणा 1 फरवरी, 2021 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की थी। जनगणना-2021 में नागरिकों को गणना में शामिल होने की एक बेहतर और अनूठी ऑनलाइन सुविधा दी गई है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को ऑनलाइन स्व-गणना का अधिकार देने के लिए नियमों में परिवर्तन किए हैं। जनगणना (संशोधन), 2022 के अनुसार परंपरागत तरीके से तो जनगणना घर-घर जाकर सरकारी कर्मचारी करेंगे ही, लेकिन अब नागरिक स्व-गणना के माध्यम से भी अनुसूची प्रारूप भर सकता है। इसके लिए पूर्व नियमों में 'इलेक्ट्रॉनिक फार्म' शब्द जोड़ा गया है, जो सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 की धारा दो की उपधारा (एक) के खंड आर में दिया गया है। इसके अंतर्गत मीडिया, मैग्नेटिक, कंप्यूटरजनित माइक्रोचिप या इसी तरह के अन्य उपकरण में तैयार कर भेजी या संग्रहित की गई जानकारी को इलेक्ट्रॉनिक फार्म में दी गई जानकारी माना जाएगा यानी एनरायड मोबाइल से भी अपनी गिनती दर्ज की जा सकेगी, जो आजकल घर-घर में उपलब्ध है। इस ऑनलाइन प्रविष्टि के अलावा घर-घर जाकर भी जनगणना की जाएगी। गिनती के विकेंद्रीकरण के इस नवाचार से देश जहां 10 साला जनगणना की बोझिल परंपरा से मुक्त होगा वहीं देश के पास प्रति माह प्रत्येक पंचायत स्तर से जीवन और मृत्यु की गणना के सटीक आंकड़े मिलते रहेंगे।

जनगणना में निरंतरता इसलिए भी जरूरी है कि देश-दुनिया में जनसंख्या वृद्धि विस्फोटक बताई जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक दुनिया की जनसंख्या लगभग सात सौ करोड़ हो चुकी है। धरती पर जितनी तेजी से मानव समुदायों की आबादी उन्नसवीं सदी में बढ़ी है, उतनी तेजी से बढ़ोतरी पहले कभी दर्ज नहीं हुई। एक अनुमान के मुताबिक ईसवी सन एक में धरती पर कुल आबादी लगभग तीस करोड़ थी। अठारहवीं शताब्दी के अंत में दुनिया की जनसंख्या एक अरब के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाई थी। इन शताब्दियों में जन्म दर की मात्रा अधिक होने के बावजूद जनसंख्या वृद्धि दर बेहद मंदी थी। प्रकृति पर निर्भर गर्भनिरोधकों से दूर और उपचार की आसान-सुलभ पद्धतियों से अनजान स्त्री-पुरुष बच्चे तो खूब पैदा करते थे, लेकिन उनमें से ज्यादातर मर जाया करते थे। बीमारियों की पहचान-उपचार से नियंत्रण के चलते बीसवीं शताब्दी के पहले ही तीन दशकों में आबादी दोगुनी होकर करीब पौने दो अरब के आंकड़े को छू गई थी।

हरेक दस साल में की जाने वाली जनता-जनार्दन की गिनती में करीब 34 लाख कर्मचारी जुटते हैं। छह

लाख ग्रामों, पांच हजार कस्बों, सैकड़ों नगरों और दर्जनों महानगरों के रहवासियों के द्वार-द्वार दस्तक देकर जनगणना का कार्य करना कर्मचारियों के लिए जटिल होता है। यह काम तब और बोझिल हो जाता है, जब किसी कर्मचारी-दल को उसके स्थनीय दैनंदिन कार्य से दूर कर उसे दूरांचल गांव में भेज दिया जाता है। ऐसे हालात में गिनती की जल्दबाजी में वे मानव समूह छूट जाते हैं, जो आजीविका के लिए मूल निवास स्थल से पलायन कर जाते हैं। इन विस्थापितों का जनगणना के समय स्थायी ठिकाना कहां है, जनगणना करने आए दल को यह पता लगाना मुशकिल होता है?

राहुल गांधी के 'मिशन बिहार' को बड़ा झटका- अब कांग्रेस क्या करेगी?

कांग्रेस पार्टी को देशभर में मजबूत बनाने के अभियान में जुटे राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं। वर्ष 2025 में वह अब तक कुल मिलाकर पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। अपने इन दौरे के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के दलित मतदाताओं, अन्य पिछड़ी जाति के लोगों और अत्यंत पिछड़ी जाति के लोगों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के साथ संवाद कर,उन्हें साधने की कोशिश की। पार्टी संगठन को धार और नई रफ्तार देने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्षों तक को बदल दिया।

जाहिर तौर पर, राहुल गांधी अपनी इन तमाम कोशिशों के जरिए बिहार में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति पर ही काम कर रहे थे। इसका एक मकसद और भी था कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी विपक्षी इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) में ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल कर सकें।

लेकिन राहुल गांधी के इस 'मिशन बिहार' को उनके अपने ही सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल ने बड़ा झटका दे दिया है। लालू यादव के फॉमूर्ले ने कांग्रेस पार्टी को बेचैन कर दिया है। कांग्रेस 2020 की तरह इस बार भी 70 विधानसभा सीटों पर ही चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन राजद ने इतनी सीटें देने से साफ-साफ इनकार कर दिया है। यानी अब यह तय हो गया है कि विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस को इस बार 2020 की तरह 70 सीटें नहीं मिलेंगी। गठबंधन और सीटों को लेकर होने वाली बैठकों की अध्यक्षता भले ही तेजस्वी यादव कर रहे हो लेकिन पर्दे के पीछे से सब कुछ लालू यादव ही तय कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजद ने यह साफ कर दिया है कि राजनीतिक दलों की संख्या और क्षमता के आधार पर गठबंधन में कांग्रेस को लगभग 53 सीटें ही मिल सकती है।

बिहार में वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में

महागठबंधन के सबसे बड़े दल के तौर पर राजद 144 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जबकि कांग्रेस के खाते में 70 सीटें आई थी। सीपीआई-माले 19, सीपीआई 6 और सीपीएम 4 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने वाले मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी भी इस बार विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है। एक तरफ जहां मुकेश सहनी की पार्टी को सीट बंटवारे में एडजस्ट करने की चुनौती है वहीं लेफ्ट फ्रंट के दल खासकर सीपीआई-माले सीट बढ़ाने की मांग को लेकर अड़ गया है। ऐसे में लालू यादव भी अपनी पार्टी के कोटे को घटाने पर तैयार हो गए हैं। लेकिन वो किसी भी कीमत पर 140 से कम पर जाने को तैयार नहीं है।

सूत्रों के मुताबिक, तेजस्वी यादव ने कांग्रेस के सामने जो पहला फॉमूर्ला रखा है उसके तहत आरजेडी 144 की बजाय 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पिछली बार की तरह ही इस बार भी सीपीआई को 6 और सीपीएम को 4 सीटें ही दी जाएगी। लेकिन सीपीआई-माले को 6 सीटें बढ़ाकर 25 सीटें दी जा सकती है। मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी को 15 सीटों पर लड़ाया जाएगा। वहीं पिछली बार 70 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को इस बार 53 सीटों के आसपास ही संतोष करना पड़ेगा। इस फॉमूर्ले में 2-3 सीटों का हेरफेर किया जा सकता है।

लेकिन अगर आने वाले दिनों में पशुपति पारस, असदुद्दीन ओवैसी, हेमंत सोरेन और अखिलेश यादव को भी बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गठबंधन में शामिल किया गया तो फिर सभी दलों को त्याग करना पड़ेगा। ऐसे हालात में, कांग्रेस के हाथ में सिर्फ 45-46 सीटें ही आ पाएंगी। यानी लालू यादव के पहले फॉमूर्ले के तहत कांग्रेस को 53-55 और दूसरे फॉमूर्ले के तहत सिर्फ 45-46 सीटें ही मिल सकती है।

आपको याद दिला दें कि, वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान राजद मुखिया लालू यादव जेल में थे। यह आरोप लगाया जाता है कि लालू यादव के जेल में रहने का फायदा उठाते हुए कांग्रेस ने तेजस्वी यादव पर दबाव डालकर गठबंधन में 70 सीटें झटक ली। लेकिन 70 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सिर्फ 19 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई। लालू यादव और तेजस्वी यादव सहित विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं का यह मानना है कि कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के कारण ही बिहार में नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हो गए थे।

लालू यादव 2020 के विधानसभा चुनाव के समय पर जेल में थे लेकिन इस बार बाहर है और सीट बंटवारे के अपने फॉमूर्ले पर अडिग है।

राजद के इस फॉमूर्ले ने कांग्रेस नेताओं को दुविधा की स्थिति में डाल दिया है। अब गेंद राहुल गांधी के पाले में है कि वह इतनी ही सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो जाएं या सीधे लालू यादव से बात करके कांग्रेस के कोटे की सीटों की संख्या को बढ़ाने का प्रयास करें। हालांकि बिहार में कांग्रेस के कई नेता दबी जुबान में एक तीसरे विकल्प की बात भी कर रहे हैं। तीसरा विकल्प यानी राहुल गांधी बिहार में अन्य छोटे-छोटे दलों को साथ लेकर तीसरा मोर्चा बनाए और बड़े भाई की भूमिका में चुनाव लड़ जाएं।

एडीओ पंचायत की अनुपस्थिति पर VDO साहब ने संभाला ग्राम पंचायतों का मोर्चा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- हाल ही में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक घटना में, सहायक विकास अधिकारी (एडीओ) की अनुपस्थिति के दौरान खंड विकास अधिकारी (वीडीओ) नीरज कुमार गर्ग ने अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करते हुए मोर्चा संभाला। यह घटना न केवल उनके कर्तव्यनिष्ठा और नेतृत्व कौशल को दशार्ती है, बल्कि ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उनकी सक्रियता को भी उजागर करती है। नीरज कुमार गर्ग ने इस अवसर पर अपनी कार्यकुशलता और समर्पण से यह साबित किया कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी वह ग्राम विकास के कार्यों को सुचारु रूप से चला सकते हैं। यह घटना उस समय सामने आई जब क्षेत्र के एडीओ किसी कारणवश अपने कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं थे। ऐसी स्थिति में प्रशासनिक कार्यों में रुकावट आने का खतरा था, विशेषकर ग्राम पंचायतों से संबंधित योजनाओं और विकास कार्यों के संचालन में। ग्राम पंचायतों के लिए आवंटन, योजनाओं का कार्यान्वयन, और ग्रामीण स्तर पर सरकारी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना एडीओ और वीडीओ की

संयुक्त जिम्मेदारी होती है। एडीओ की अनुपस्थिति ने इस कार्य में एक रिक्तता पैदा कर दी थी, जिसे नीरज कुमार गर्ग ने अपनी सूझबूझ और तत्परता से भरा।नीरज कुमार गर्ग, जो पहले से ही अपने क्षेत्र में एक समर्पित और कुशल अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं, ने तुरंत स्थिति को संभाला। उन्होंने न केवल ग्राम पंचायतों के दैनिक कार्यों को निर्बाध रूप से चलाया, बल्कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान भी किया। ग्राम विकास योजनाओं, जैसे कि मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, और ग्रामीण आवास योजना, के तहत चल रहे कार्यों की निगरानी और समीक्षा में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। उनकी यह पहल ग्रामीणों के बीच विश्वास और सहयोग को बढ़ाने में भी कारगर साबित हुई। नीरज कुमार गर्ग ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए यह सुनिश्चित किया कि ग्राम पंचायतों के लिए आवंटित निधि का सही उपयोग हो और वित्तीय नियमों का पालन हो। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित किया कि कोई भी प्रशासनिक कार्य रुके नहीं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ग्राम प्रधानों और अन्य स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ मिलकर विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस घटना ने न केवल नीरज कुमार गर्ग की कार्यक्षमता को उजागर किया, बल्कि यह भी दशार्या कि ग्राम विकास अधिकारियों की भूमिका ग्रामीण विकास में कितनी महत्वपूर्ण है। उनकी इस पहल की प्रशंसा स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों दोनों ने की। यह घटना एक उदाहरण है कि किस तरह एक समर्पित अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए प्रशासनिक रिक्तता को भर सकता है। नीरज कुमार गर्ग की इस उपलब्धि ने अन्य अधिकारियों के लिए भी एक प्रेरणा स्थापित की है। उनकी मेहनत और समर्पण से यह स्पष्ट होता है कि ग्रामीण विकास के लिए न केवल नीतियां, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सक्षम और जिम्मेदार अधिकारी भी आवश्यक हैं।

पिछड़े वर्ग के छात्र छात्रा ओ-लेवल, सी0सी0सी0 कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए कर सकेंगे आवेदन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अलका चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा कि पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों जिनकी शैक्षिक योग्यता न्यूनतम इण्टरमीडिएट हो तथा जिनके अभिभावक की ग्रामीण व शहरी क्षेत्र दोनों में समान रूप से वार्षिक आय सीमा रू0 1.00 लाख तक होनी चाहियें, अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य हो, अभ्यर्थी बेरोजगार हो तथा किसी शिक्षण संस्था से छात्रवृत्ति न लेता हो तथा अभ्यर्थी किसी शिक्षण संस्थान में संस्थागत के रूप में अध्ययनरत न हो, को ओ-लेवल कंप्यूटर प्रशिक्षण जिसकी अवधि 01 वर्ष एवं सी०सी०सी० कंप्यूटर प्रशिक्षण जिसकी अवधि 03 माह होगी, के लिये पिछडा वर्ग कल्याण उ०प्र० लखनऊ द्वारा जारी वेबसाइड backwardwelfareup. gov.in/ obccomputertraining. upsdc.gov.in पर दिये गये लिंक पर लॉगिन करके समय सारिणी के अनुसार निर्धारित अन्तिम तिथि दिनांक 14 जुलाई, 2025 तक शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन का प्रिन्ट आउट प्राप्त करके निम्न अभिलेख जैसे- आय व जाति प्रमाण पत्र (दोनों बोर्ड ऑफ रेवेन्यू/ई-डिस्ट्रिक्ट की वेबसाइड पर होना) हाईस्कूल व इण्टर अंक पत्र तथा आधार कार्ड की छायाप्रति सहित हार्डकापी दो प्रतियों में कार्यालय जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी विकास भवन कक्ष संख्या-213 जोया रोड अमरोहा में दिनांक 14 जुलाई, 2025 तक सांय 5:00 बजे तक जमा करना अनिवार्य होगा। इसके उपरान्त प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।

उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा 15 दिवसीय आवासीय शिल्पकारी प्रशिक्षण का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत जनपद अमरोहा में माटीकला एवं माटी शिल्पकला को बढ़ावा देने हेतु माटीकला समन्वित विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 15 दिवसीय निःशुल्क आवासीय शिल्पकारी प्रशिक्षण, मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड नजीबाबाद, जनपद बिजनौर से प्रदान कराया जाना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों को माटीकला से सम्बन्धित दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाना, सजावटी वस्तुएं बनाना, खिलौने एवं मूर्तियां बनाना, मिट्टी के उत्पादो पर कटिंग-पच्चीकारी-चित्रकारी-नक्कासी आदि विधाओं का प्रशिक्षण एवं बैंको से ऋण प्राप्त कर इकाईयां स्थापित करने

हेतु योजनाओं की जानकारी प्रदान की जायेगी। उक्त 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक नवयुवक एवं युवतियां अपना आवेदन कर सकते हैं। प्राप्त आवेदन पत्रों का चयन विभाग/ शासन द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जायेगा तदोपरान्त चयनित आवेदकों को 15 दिन का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा, प्रशिक्षण अवधि में केन्द्र / प्रशिक्षण स्थल पर भोजन आदि की निःशुल्क व्यवस्था की जायेगी साथ ही शिक्षण सत्र के समापन/अन्तिम दिवस पर धनराशि 250 रू० प्रतिदिन की दर से प्रशिक्षुवृत्ति की धनराशि 3750.00 रु० भी प्रशिक्षणार्थी के बैंक खाते में आर० टी० जी० एस०/ एन०ई० एफ०टी० के माध्यम से स्थानान्तरित कर दी जायेगी। इच्छुक आवेदक दिनांक 30.06.2025 तक किसी भी कार्य दिवस में अपना आवेदन पत्र फोटो, आधार कार्ड, योग्यता प्रमाण पत्र, बैंक पास बुक की छाया प्रति तथा जाति प्रमाण पत्र के साथ जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, मालीखेड़ा रोड़, मौ० पुष्करनगर, नियर रेलवे स्टेशन, जनपद अमरोहा में जमा कर सकते हैं अथवा upmatikalaboard.in पर लॉगिन कर आवश्यक प्रपत्र अपलोड करते हुए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। आवेदक उ०प्र० का मूल निवासी हो, उसकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो वह माटीकला की जानकारी रखता हो तथा उसका साक्षर होना अनिवार्य है। राशन कार्ड के आधार पर एक परिवार से एक सदस्य का ही चयन किया जायेगा, चयन में दिव्यांग, बी०पी०एल० परिवार के सदस्यों तथा महिलाओं को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी।

राष्ट्र सेवी संगठन' के कार्यकताओं ने सी ओ हसनपुर को सौंपा ज्ञापन

काशीराम कॉलोनी में दबंगई के बल पर रह रहे कुछ अपराधी, सही लोगों को करते हैं परेशान

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- नगर की संभल रोड स्थित अब्दुल्ला कॉलोनी के नजदीक काशीराम कॉलोनी में बढ़ रहे आपराधिक गतिविधियों को लेकर 'राष्ट्र सेवी संगठन' के कार्यकताओं ने बृहस्पतिवार को सी ओ हसनपुर को एक ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने मांग की है कि कॉलोनी में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की दबंगई पर लगाम लगाई जाए, जिससे स्थानीय निवासियों को राहत मिल सके। संगठन के सदस्यों ने ज्ञापन में बताया कि काशीराम कॉलोनी में कई ऐसे लोग दबंगई के बल पर रह रहे हैं, जो आपराधिक है। इनमें गोकशी, चोरी, लूट, मारपीट और दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों के आरोपी शामिल हैं। इनका इस प्रकार खुल्लम खुल्ला अवैध रूप से रहना यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगाता है।यह कॉलोनी हसनपुर, सैदनगली, आदमपुर, रहरा और आसपास के जनपदों में अपराध करने वाले लोगों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन गई है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि ये अपराधी अवैध रूप से कॉलोनी में रह रहे हैं और उन्होंने उन लोगों को पीटकर भगा दिया है, जिनके नाम पर काशीराम कॉलोनी में मकान आवंटित किए गए थे। इन आपराधिक तत्वों के उत्पीड़न से परेशान होकर कई दिनों पहले स्थानीय निवासियों ने पलायन की चेतावनी भी दी थी, जिसके बाद भी स्थानीय पुलिस उपा धीक्षक महोदय एवं कोतवाली पुलिस का आज तक इस ओर ध्यान नहीं गया है। 'राष्ट्र सेवी संगठन' ने एसडीएम से मांग की है कि काशीराम कॉलोनी का ऑडिट कराया जाए। उनकी प्रमुख मांग है कि केवल वे लोग ही कॉलोनी में रहें जिनके नाम पर मकान आवंटित किए गए हैं, और किसी भी बाहरी या अपराधी किस्म के व्यक्ति को वहां रहने की अनुमति न दी जाए। संगठन का कहना है कि आपराधिक लोगों को तत्काल प्रभाव से कॉलोनी से बाहर निकाला जाना चाहिए ताकि शांति और सुरक्षा का माहौल स्थापित हो सके। इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, महिपाल सिंह प्रांत मंत्री भारतीय किसान संघ, रूपचंद चौहान, हरिराज सिंह, मोनू अग्रवाल, धर्मपाल सिंह, जयवीर सिंह, यशवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

अब छह महीने में ठीक होंगे एम0 डी0 आर0 टी0बी0 के रोगी

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पांडे के कुशल निर्देशन में एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार त्यागी के नेतृत्व में जनपद हापुड़ में स्वास्थ्य सेवाओं में निरन्तर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद के क्षय रोग विभाग को भारत सरकार की तरफ से नई दवाई इढं'ट रेजीमेंट प्राप्त हुई हैं। पूर्व में एमडीआर टी0बी0 का इलाज 18 से 20 महीने का होता था लेकिन अब

नयी रेजीमेंन आने से अब मरीज 6 महीने में ही पूर्ण रूप से ठीक हो जाएंगे। जनपद में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ राजेश सिंह नेतृत्व मे टीम द्वारा आज एक रोगी का इलाज आरंभ किया गया रोगी को स्वास्थ टीम के सामने पहली खुराक खिलाई गई। जिला पी0एम0डी0टी 0/टी0बी0 एच आई वी टी कॉर्डिनेटर मनोज कुमार गौतम ने बताया कि इस रेजिमिन के आने से कम दवाईयों से कम समय में और कम नुकसान के साथ इलाज हो सकेगा इस अवसर पर जिला कार्यक्रम कॉर्डिनेटर दीपक शर्मा जिला पी0पी0 एम0 को ऑर्डिनेटर सुशील चौधरी दीपक कुमार हरीश चन्द आदि उपस्थित रहे।

धनौरा विधायक राजीव तरारा ने गजरौला रोडवेज अड्डे से बस को दिखाई हरी झंडी, किया रवाना

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह :- क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा ने गजरौला रोडवेज बस स्टैंड से लोगों की सुविधा हेतु बस को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया है। गुरुवार को उन्होंने बताया कि काफी समय से लोगों की शिकायतें मिल रही थी कि गजरौला के चौपला स्थित रोडवेज बस स्टैंड से लोकल के लिए किसी बस की कोई सुविधा नहीं है। जिससे लोगों को काफी दिक्कत परेशानी का सामना करना पड़ता था। आज उसी के मद्देनजर हमने गजरौला के रोडवेज बस स्टैंड से एक लोकल बस का शुभारंभ करते हुए उसे हरि झंडी दिखाकर रवाना किया है। वहीं रोडवेज के अधिकारियों का कहना है कि इस बस का रूट तय कर दिया जाएगा कितने बजे से कितने बजे तक यहां पहुंचेगी ताकि लोगों को किसी प्रकार की कोई समस्या ना हो।

तालाब सूक्ष्म प्रणाली स्थापित लक्ष्यों का लाभ ले पात्र लाभार्थी, जनपद को मिला लक्ष्य

संभल(सब का सपना):- कृषि विभाग के भूमि संरक्षण अनुभाग द्वारा जनपद में खेत तालाब योजना के घटक "पर ड्रॉप मोर काप" के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में जनपद को लघु तालाब सामान्य के लक्ष्य - 33 (सामान्य जाति हेतु 29 एवं अनु० जाति हेतु 04) तालाब सूक्ष्म प्रणाली स्थापित हेतु लक्ष्य - 21 (सामान्य जाति हेतु 19 एवं अनु० जाति हेतु 02) प्राप्त हुए हैं। तालाब सूक्ष्म प्रणाली स्थापित लक्ष्यों का लाभ ऐसे लाभार्थी ले सकते है जिनके द्वारा पूर्व में उद्यान विभाग द्वारा स्प्रिंकलर प्रणाली स्थापित करायी है। लघु तालाब का आकार 22 मी0 लम्बाई 20 मी0 चौडाई एवं 3 मी0 गहराई होगी। लघु तालाब की लागत 1.05 लाख (एक लाख पांच हजार) रू० मात्र है। तालाब की कुल लागत का 50% अनुदान के रूप में दिया जायेगा एवं 50% कृषक अंश रहेगा। जो कृषक को स्वयं वहन करना होगा। अनुदान की धनराशि रू0 52500.00 दो किस्तों में डी०बी०टी० के माध्यम से सीधे कृषक के खाते में प्रेषित की जायेगी। तालाब निर्माण का कार्य लाभार्थी

कृषक के द्वारा स्वयं की भूमि पर मशीन से कराया जायेगा। तकनीकि निर्देशन एवं पर्यवेक्षण भूमि संरक्षण अनुभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी द्वारा किया जायेगा। तालाब खुदवाने के बाद लाभार्थियों को सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की स्थापना अनिवार्य होगी। सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की स्थापना हेतु उद्यान, कृषक एवं फर्म का त्रिस्तरीय अनुबन्ध होने के पश्चात ही तालाब की दूसरी किस्त का भुगतान किया जा सकेगा। योजनान्तर्गत खेत तालाब के लाभार्थियों को पम्पसेट पर अनुदान हेतु पृथक से पोर्टल खोला जायेगा । पम्पसेट पर मूल्य का 50% अधिकतम रू0 15000.00 प्रति इकाई अनुदान की सुविधा प्राप्त होगी। तालाब खुदवाने के इच्छुक लाभार्थी अपना आवेदन agridarshan.up.gov.in पर जाकर कृषक पजीकरण संख्या से आवेदन ऑनलाइन करते हुए टोकन निकाल सकते हैं। टोकन की धनराशि रू0 1000.00 टोकन निकालते समय ऑनलाईन ही जमा करनी होगी। लाभार्थी का चयन "प्रथम आवक प्रथम पावक" के आधार पर किया जायेगा। टोकन कन्फर्म होने उपरान्त कृषक द्वारा अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आधार कार्ड, पैन कार्ड, खतौनी, खसरा की छाया प्रति मोबाइल नं० सहित यथा शीघ्र जमा करना होगा। इस योजना की अधिक जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर या मोबाइल नम्बर - 8445211233 से प्राप्त की जा सकती है। यह योजना जनपद के समस्त विकासखण्डों में लागू है।

साइबर-सिक्यूरिटी क्षेत्र में तकनीकि दक्षता विकसित करने हेतु साइबर सिक्योरिटी इंटर्नशिप कार्यक्रम 2025 का हुआ आयोजन

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं डिजिटल सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और साइबर-सिक्यूरिटी क्षेत्र में तकनीकि दक्षता विकसित करने हेतु ह्लसाइबर सिक्योरिटी इंटर्नशिप कार्यक्रम 2025ह्व का आयोजन दिनांक 19 जून से 30 जून 2025 तक किया जा रहा है। इस नवाचारी कार्यक्रम का शुभारंभ आज अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन,बरेली रमित शर्मा द्वारा औपचारिक रूप से किया गया। इंटर्नशिप में देश के विभिन्न राज्यों से आए कुल 450 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। यह इंटर्नशिप पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद (आई.पी.एस.) के नेतृत्व एवं क्षेत्राधिकारी श्रीमती अंजली कटारिया के निर्देशन में संचालित की जा रही है। कार्यक्रम का उद्देश्य इंजीनियरिंग, विज्ञान और कंप्यूटर साइंस के छात्रों में साइबरसिक्यूरिटी विषय पर विशिष्ठ तकनीकि दक्षता विकसित करना है जिससे भारत में इस क्षेत्र में कैपेसिटी बिल्डिंग हो सके। ये साइबर योद्धा भविष्य में भारत में व्यापार, चिकित्सा, आई०टी० और आधारभूत ढाँचे (जैसे विद्युत सप्लाई, रेलवे संचालन, मेट्रो सेवाओं आदि) पर साइबर हमलों को रोकने वाले प्रोफेशनल्स भी बन पाएंगे। इस इंटर्नशिप के माध्यम से आधुनिक डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति युवाओं को सजग, सक्षम एवं सशक्त बनाना भी है, ताकि वे समाज में साइबर सुरक्षा के प्रहरी बन सकें और साइबर धोखाधड़ी, फिशिंग, ऑनलाइन स्कैम से नागरिकों के बचाव में मदद करें। इस प्रोग्राम में प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा, डिजिटल फॉरेंसिक, सोशल मीडिया ट्रैकिंग, और ऑनलाइन फ्रॉड की पहचान एवं निवारण जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जायेगा, ताकि वे भविष्य में साइबर योद्धा के रूप में समाज की सेवा कर सकें। अमरोहा पुलिस द्वारा साइबर अपराध के प्रति जागरूकता और उससे मुकाबला करने के लिए एक ऐतिहासिक पहल की गई है। यह इंटर्नशिप 30 जून 2025 तक चलेगी। ऑनलाइन स्क्रीनिंग टेस्ट के माध्यम से देशभर से चुने गए प्रतिभागी, इस इंटर्नशिप प्रोग्राम में भाग लेने के लिए अमरोहा पहुंचे हैं। इस बहुप्रतीक्षित इंटर्नशिप के तहत, प्रतिभागियों को पुलिस विभाग के वरिष्ठ साइबर विशेषज्ञों, आईटी प्रोफेशनल्स और तकनीकी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा, "हमारा लक्ष्य केवल अपराधियों को पकड़ना नहीं, बल्कि जागरूक और तकनीकी रूप से सक्षम नागरिकों को तैयार करना है। यह इंटर्नशिप प्रोग्राम अमरोहा को साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाएगा।" कार्यक्रम में जिले के अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ, मीडिया प्रतिनिधि एवं इंटर्न्स के अभिभावक भी उपस्थित रहे। सभी ने इस अभिनव पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

सीडीओ ने की सीएम डैशबोर्ड की बैठक

खराब रैंकिंग वाले विभागों के अधिकारियों को सुधार को चेताकर वेतन आहरण पर लगाई रोक

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में विभागीय रैंक व लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति की समीक्षा की गई । समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों से एक-एक करके पिछले माह में रैंकिंग और लक्ष्य के सापेक्ष वर्तमान प्रगति की जानकारी ली। मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता जल निगम के अनुपस्थित होने पर एक दिन का वेतन काटने का आदेश दिया।मुख्य विकास अधिकारी ने असन्तोष व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में जनपद की रैंकिंग नही गिरनी चाहिए। सघन मानीटरिंग की जाए। मुख्य विकास ने कहा कि यदि लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि नहीं प्राप्त हुई और रैंक बिगड़ती है तो कठोर कार्यवाही की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों के विभाग अध्यक्ष को निर्देश दिए की फैमिली आईडी बनाने में जो लक्ष्य दिया है लक्ष्य के सापेक्ष काम प्रगति होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि शीघ्र से शीघ्र लक्ष्य प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा अनुसार सभी कार्यालय में ई-ऑफिस के माध्यम से पत्राचार किया जाए इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए क्योंकि ई-ऑफिस माननीय मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि यदि किसी को ई-ऑफिस के संबंध में कोई समस्या है तो वह जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी से संपर्क कर उक्त समस्या का समाधान करें और ई-ऑफिस के माध्यम से पत्राचार करने के लिए उसे व्यवहार में लाएं। उन्होंने ई-ऑफिस के माध्यम से फाइल मूवमेंट करने पर 52वी रैंक आने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों के जन्म के 12 दिन के अंदर जन्म प्रमाण पत्र एवं किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाने पर 13 दिन के अंतर्गत मृत्यु प्रमाण पत्र अवश्य बनाई जाएं। उन्होंने पारिवारिक पेंशन, कैच द रेन, शादी अनुदान विवाह योजना आदि से संबंधित जानकारी प्राप्त कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को योग दिवस में सम्मिलित न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त कर की और कहा कि कल विकास भवन एवं 21 जून को मिनी स्टेडियम में योग दिवस का आयोजन किया जाएगा इसलिए इसमें अवश्य प्रतिभाग करे। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, उपनिदेशक कृषि, अधीक्षण अभियंता विद्युत, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेसियों ने किया वृक्षारोपण, कैक काट कर दी बधाई

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर केक काटा, वृक्षारोपण किया तथा मेले में शरबत बांट कर मोहब्बत का पैगाम दिया। बृहस्पतिवार को नगर के मोहल्ला सादात में शाकिर मसूदी के आवास पर कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 55वें जन्मदिन के अवसर पर कांग्रेस पार्टी के कार्यवाहक नगर अध्यक्ष शहाबुद्दीन सैफी ने राहुल गांधी का चित्र लगाकर केक काटकर एक दूसरे को बधाई दी। उसके बाद वृक्षारोपण करके उनकी लंबी उम्र की दुआएं कीं। वृक्षारोपण कार्यक्रम मे ,जिला कांग्रेस कमेटी और नगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से शाकिर मसूदी, शहाबुद्दीन सैफी, महबूब चौधरी, बब्बन हुसैन, नदीम रियासत, फरमान मलिक, प्रिंस कुमार, शाने आलम रही, अजीम पाशा, दिलशाद चौधरी, डॉ० गुफरान, मौ० हारुन, फहीम मसूदी, शमीम अहमद आदि मौजूद रहे।

सास-दामाद के बाद आई नई कहानी, यूपी से भाग दिल्ली में निकाह; उम्र में 37 साल का फर्क

रामपुर : उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के एक गांव में रिश्तों को तार-तार कर देने वाला वाकया सामने आया है। इससे गांव वाले हैरान हैं। 55 साल के अधेड़ ने बेटे की मंगेतर से निकाह कर लिया। आठ दिन तक गायब रहने के बाद जब वह युवती के साथ लौटा तो घर में कोहराम मच गया। बात पंचायत तक पहुंचे और दोनों को गांव से बाहर निकाल दिया। 18 साल है बहू की उम्र लोग अलीगढ़ की सास-दामाद की कहानी अभी भूले नहीं कि रामपुर में इससे उलट नया मामला सामने आ गया। यहां कहानी की शुरूआत छह महीने पहले हुई। भोट थाना क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने बेटे का रिश्ता पास के गांव की 18 वर्षीय लड़की से तय किया था। रिश्ता तय होने के बाद पिता का लड़की के घर बार-बार जाना शुरू हो गया। कभी रिश्तेदारी निभाने के बहाने, तो कभी शादी की तैयारियों का हवाला देकर वह वहां पहुंचता रहा। दवा दिलाने के नाम पर ले गया दिल्ली लड़के के परिवार वाले इसे एक सामान्य व्यवहार मानते रहे। उन्हें नहीं पता था कि मामला कुछ और ही है। बताया जाता है कि करीब आठ दिन पहले दूल्हे का पिता कार लेकर उसके मंगेतर के गांव पहुंचा। इसके बाद लड़की को दवा दिलाने के बहाने अपने साथ दिल्ली ले गया। जब वह वापस लौटा तो उसने होने वाली बहू को अपनी पत्नी बताया। इसे सुनकर लड़का अवाक रह गया और फिर गुस्से में फट पड़ा। घर में जमकर झगड़ा होने के साथ लात-घूंसे चले। कुछ ही देर में यह खबर गांव भर में फैल गई। इसके बाद पंचायत बैठी और सबने अधेड़ की हरकत को शर्मनाक बताया। गांव की बहू, अधेड़ की बीवी बनी बेटे और मां ने अधेड़ और युवती को घर से निकालने को कहा। गांव की बहू बनने वाली लड़की अब अधेड़ की बीवी बन चुकी थी। लोगों को समझ नहीं आ रहा था कि इस रिश्ते को क्या नाम दें। पंचायत के फैसले के बाद दोनों को गांव से बाहर निकाल दिया गया। प्रेमी जोड़े ने अब शहजादनगर थाना क्षेत्र के गांव में नया बसेरा बना लिया है। लड़की के घरवाले इस पूरे मामले में चुप हैं। घटना को कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

खत्म हुआ टीईटी पास शिक्षामित्रों का 24 दिन से चल रहा धरना, सीएम के ओसडी से मिलने के बाद हुआ फैसला

लखनऊ : टीईटी पास शिक्षा मित्रों ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री के ओएसडी से मुलाकात में आश्वासन के बाद धरना स्थगित कर दिया। शिक्षा मित्र स्थाईकरण करने, विभागीय टेट करवाने, सम्मानजनक मानदेय और समान सुविधाएं और अंतर्जनपदीय महिलाओं का स्थानांतरण शिडयूल आदि की मांग के लिए बीते 24 दिन से ईको गार्डेन में धरना दे रहे थे। शिक्षक/शिक्षामित्र उत्थान समिति के प्रदेश अध्यक्ष गुडडू सिंह की अगुवाई में विकास शर्मा और शालिनी शुक्ला को प्रशासनिक अधिकारियों ने दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री आवास ले जाकर मुख्यमंत्री के ओएसडी एनके चौहान से मुलाकात कराई। मुख्यमंत्री के मौजूद न होने की वजह से उनके ओएसडी ने टीईटी शिक्षामित्रों की समस्याओं और मांगों की विस्तार से जानकारी ली। गुडडू सिंह ने बताया कि उन्होंने नीतिगत तरीके से निवारण करने पर संस्तुति की और मुख्यमंत्री से मुलाकात करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने के आश्वासन के बाद धरना स्थगित कर दिया गया है।

आखिरकार डॉ हरिदत्त नेमी की हो गई छुट्टी, डीएम संग चल रहे विवाद की वजह से थे चर्चा में; कई दिग्गजों से लगवाई थी पैरवी

कानपुर। पिछले कई दिनों से जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के बीच चल रहे विवाद में सीएमओ डॉक्टर हरिदत्त नेमी की छुट्टी हो गई है। उन्हें शासन की ओर से निलंबन की कार्रवाई करते हुए महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के लिए लखनऊ संबद्ध कर दिया गया है। उनके स्थान पर श्रावस्ती के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर उदय नाथ को कानपुर नगर का नया मुख्य चिकित्सा अधिकारी बनाया गया है। जिले में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के ओर से सीएमओ डॉक्टर हरीदत्त नेमी को लगातार कटघरे में खड़ा किया जा रहा था। स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लचर रवैया अपनाने के लिए जिलाधिकारी की ओर से शासन को कई पत्र सीएमओ के खिलाफ भी लिखे गए थे। पिछले दिनों प्रचलित हुई ऑडियो में सीएमओ और जिलाधिकारी के बीच विवाद और बढ़ गया। इसमें विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से लेकर भाजपा के कई विधायक और विधान परिषद सदस्य भी डीएम और सीएमओ के पक्ष में खड़े हुए। पूरे विवाद में सीएमओ की ओर से कई आरोप लगाते हुए डीएम को गुमराह करने की बात कही गई। हालांकि गुरुवार को सचिव रितु माहेश्वरी की ओर से जारी हुए पत्र सीएमओ पर निलंबन की कार्रवाई की गई। पिछले दिनों प्रचलित हुई ऑडियो में सीएमओ और जिलाधिकारी के बीच विवाद और बढ़ गया। इसमें विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से लेकर भाजपा के कई विधायक और विधान परिषद सदस्य भी डीएम और सीएमओ के पक्ष में खड़े हुए। पूरे विवाद में सीएमओ की ओर से कई आरोप लगाते हुए डीएम को गुमराह करने की बात कही गई। हालांकि गुरुवार को सचिव रितु माहेश्वरी की ओर से जारी हुए पत्र सीएमओ पर निलंबन की कार्रवाई की गई।

योगी आदित्यनाथ सरकार की पुलिस ने आठ वर्ष में 234 दुर्दात अपराधियों को किया ढेर

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार की अपराध और अपराधी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में पुलिस ने पिछले आठ वर्षों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए एनकाउंटर में 234 दुर्दांत अपरधियों को मुठभेड़ में ढेर किया। पुलिस ने कुल 14,741 मुठभेड़ की कार्रवाई की। जिनमें 30,293 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। एनकाउंटर की कार्रवाई में 9,202 अपराधी घायल हुए। अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी बलिदानी हो गये जबकि घायल हुए थे। एनकाउंटर में मेरठ जोन ने मारी बाजी, पूरे प्रदेश में एनकाउंटर में पहले स्थान पर डीजीपी राजीव कृष्णा ने बताया कि प्रदेश में सबसे अधिक मुठभेड़ मेरठ जोन में हुईं, जहां पुलिस ने 4,183 कार्रवाई की। कार्रवाई में 7,871 अपराधी दबोचे गये जबकि 2,839 अपराधियों को घायल हुए। 77 कुख्यात अपराधियों को मौके पर ही मार गिराया गया। मेरठ जोन की मुठभेड़ में 2,839 अपराधी घायल हुए। 452 पुलिसकर्मी घायल हुए जबकि अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दो पुलिसकर्मी बलिदानी हो गये। एनकाउंटर कार्रवाई में प्रदेश में मेरठ जोन पहले स्थान पर रहा है। वाराणसी जोन में 1,041 मुठभेड़ में 2,009 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जबकि 26 को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। इस दौरान 605 अपराधी और 96 पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रदेश में वाराणसी जोन एनकाउंटर कार्रवाई में दूसरे स्थान पर है। एनकाउंटर कार्रवाई में आगरा जोन तीसरे स्थान पर है। यहां 2,288 एनकाउंटर की कार्रवाई की गईं, जिनमें 5,496 अपराधियों को दबोचा गया। इस दौरान 715 अपराधी घायल हुए जबकि 19 अपराध मार गिराए गए। मुठभेड़ के दौरान 56 पुलिसकर्मी घायल हुए। डीजीपी ने बताया कि लखनऊ में 790 मुठभेड़ के दौरान 15 दुर्दांत अपराधियों को मारा गया। प्रयागराज में 506 मुठभेड़ के दौरान दस अपराधी मारे गए। बरेली जोन में 1,962 मुठभेड़ों में 15, कानपुर जोन में 657 मुठभेड़ों में 11 और गोरखपुर जोन में 594 मुठभेड़ों में 8 अपराधियों को मारा गया। कमिश्नरेट में लखनऊ कमिश्नरी ने मारी बाजी, 11 अपराधी ढेर लखनऊ कमिश्नरी में 126 मुठभेड़ों में 11, गौतमबुद्ध नगर में 1,035 मुठभेड़ों में 9, कानपुर कमिश्नरी में 221 मुठभेड़ों में 4, वाराणसी कमिश्नरी में 118 मुठभेड़ों में 7, आगरा कमिश्नरी में 426 मुठभेड़ों में 7 और प्रयागराज कमिश्नरी में 126 मुठभेड़ों में 5 अपराधियों को ढेर किया गया। पुलिसिया एक्शन ने अपराधियों को प्रदेश छोड़ने पर किया मजबूर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले आठ वर्षों में यूपी पुलिस ने अपराधी या तो जेल में होगा या प्रदेश से बाहर के मंत्र को धरातल पर उतारा। इससे अपराधियों में भय और आम जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। यही वजह है कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था की सराहना राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। योगी सरकार की नीति के तहत पुलिस ने संगठित अपराध, माफियागीरी और अवैध वसूली पर सख्त प्रहार किया है।

मेरठ के लिए सरकार ने तैयार कर लिया खास प्लान, अतिक्रमण हटाने का काम शुरू; घंटाघर तक गरजा बुलडोजर

मेरठ। मेरठ शहर के प्रयागराज की भांति इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट (एकीकृत विकास) के लिए 18 हजार करोड़ से अधिक राशि का प्लान तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री का निर्देश है कि प्लान पर काम से पहले शहर को अतिक्रमण और जाम से मुक्त कर लिया जाए। इसी के तहत जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों से उनके क्षेत्रों के अतिक्रमण और उसे हटाने की कार्ययोजना प्राप्त करके बुधवार से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू कर दिया। पहले दिन नगर निगम क्षेत्र में बच्चा पार्क चौराहे से खैरनगर, छतरी वाले पीर से होते हुए घंटाघर तक अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की टीम ने केवल दुकानों के बाहर नाले-नालियों पर बने स्लैब को ही तोड़ा। कई स्थानों पर व्यापारियों को खुद ही अतिक्रमण हटाने का समय दिया गया। खैरनगर से छतरी वाले पीर के बीच एक व्यापारी ने दुकान के बाहर नाले पर डाले गए स्लैब को तोड़ने का विरोध किया। जिसे पुलिस ने समझाया। अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर एक महीने से अधिक समय से जिलाधिकारी के नेतृत्व में कवायद चल रही है। जिलाधिकारी इसके लिए कई बार विभागों की बैठक ले चुके हैं। नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, एनएचएआइ, सिंचाई, मेडा, आवास विकास समेत सभी विभागों से उनके क्षेत्रों के अतिक्रमण की सूचना प्राप्त करके उसे हटाने का प्लान मांगा गया था। बुधवार को इस अभियान की शुरूआत नगर निगम क्षेत्र से हुई। निगम ने पांच प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण की जानकारी दी थी। पहले दिन बच्चा पार्क चौराहे से खैरनगर और छतरी वाला पीर होते हुए घंटाघर तक अभियान चलाया गया।

महिला सिपाहियों को गर्भवती होने पर बीच में छोड़नी होगी ट्रेनिंग, अगर गर्भपात हुआ तो करना पड़ेगा ये काम

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में सिपाही नागरिक पुलिस भर्ती के लिए 60244 अभ्यर्थी चयनित हुए हैं, जिनमें 12048 महिलाएं हैं। इन महिला सिपाहियों को प्रशिक्षण के लिए बनाए गए नियमों का पालन करना होगा। महिलाओं के लिए नियम बनाए गए है कि कोई भी महिला सिपाही गर्भवती होने पर ट्रेनिंग का हिस्सा नहीं बन सकती। अगर वो गर्भवती हुई तो उसे वापस भेज दिया जाएगा। डिलीवरी के बाद होगी ट्रेनिंगगर्भवती होने पर महिला सिपाहियों को वापस भेज दिया जाएगा। लेकिन डिलीवरी के बाद वो ट्रेनिंग में हिस्सा ले सकेगी। महिला प्रशिक्षुओं को डिलीवरी के एक साल बाद आगामी प्रशिक्षण सत्र में शामिल करने की व्यवस्था की जाएगी। अगर महिला सिपाही की प्रशिक्षण की अवधि साढे.चार माह से कम होगी तो उसे फिर से नये सिरे से शुरू करना पड़ेगा, लेकिन अगर ट्रेनिंग की अवधि साढे.चार महीने से ज्यादा है तो उसने यहां से छोड़ा था, वहीं से ही प्रशिक्षण शुरू करना पड़ेगा। गर्भपात के लिए भी बनाए नियम इसके अलावा ये भी नियम बनाए गए है कि अगर किसी महिला सिपाही का प्रशिक्षण शुरू होने से पहले या प्रशिक्षण के दौरान गर्भपात हो जाता है तो उसे फिर से प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए अपने जिले के सीएमओ का मेडिकल फिटनेस का सर्टिफिकेट देना होगा। अगर कोई दूसरे राज्य की निवासी है तो उसे भी यह सर्टिफिकेट प्रशिक्षण संस्था के जिले के सीएमओ से प्राप्त करना होगा। वहीं, अगर किसी महिला का ट्रेनिंग शुरू होने से एक साल के अंदर प्रसव हो चुका है तो उसे भी मेडिकल फिटनेस का सर्टिफिकेट देना होगा। इसके बाद ट्रेनिंग में शामिल हो सकेगी।

कारोबारी के घर फायरिंग के बाद आगजनी और लूटपाट, कार-बाइक की मामूली टक्कर ने लिया बवाल का रूप

अमरोहा। कार व बाइक की टक्कर के बाद हुई कहासुनी ने बड़े बवाल का रूप ले लिया। सौ से अधिक युवकों ने दूसरे पक्ष के घर पर धावा बोल दिया। स्वजन को पीटा, घर में आग लगा दी। वाहनों में तोड़फोड़ की तथा नकदी व जेवरात लूट लिए गए। स्वजन ने जंगल में छुप पर खुद को बचाया। इस घटना में सात लोग घायल हुए हैं, जबकि दो मवेशियों की जलकर मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने घटनास्थल का दौरा किया। सुरक्षा के लिहाज से गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। यह घटना नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर की है। इस ग्राम पंचायत में पृथीपुर व मझरा दो गांव और जुड़े हैं। दौलतपुर निवासी इब्ने हसन के चार बेटे मुस्तकीम, इस्तेकार, महफूज व जुनैद हैं। मुस्तकीम व इस्तेकार पालना व झूले बनाने का काम करते हैं। 10 जून को इब्ने हसन ने अपनी बेटी शबाना की शादी डिडौली के गांव कमालपुर निवासी जावेद के साथ की थी। शबाना इन दिनों अपने मायके में है। बुधवार को जावेद पत्नी शबाना को लेने ससुराल आ रहा था। जब उसकी कार मझरा में पहुंची तो वहां गांव निवासी बब्लू सिंह व उसका दोस्त बाइक से जा रहे थे। कार की साइड बाइक को लग गई थी, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। आरोप है कि बाइक सवार युवकों ने जावेद के साथ मारपीट शुरू कर दी। कार में भी तोड़फोड़ की। दौड़ कर जावेद अपनी ससुराल पहुंच गया। पांच मिनट के भीतर ही मझरा गांव से सौ से अधिक युवक व महिलाएं इब्ने हसन के घर आ धमके। उन्होंने स्वजन के साथ मारपीट शुरू कर दी। परिवार के लोगों को दौड़ा कर पीटा। खुद को बचाने के लिए परिजन जंगल में जाकर छुप गए। उसके बाद हमलावरों ने घर में आग लगा दी। वाहनों व घर में तोड़फोड़ की। आरोप है कि हमलावर नकदी, जेवरात व मोबाइल भी लूट कर ले गए हैं। लगभग पंद्रह मिनट तक हमलावर उपद्रव करते रहे। गांव के अन्य लोगों को आता देख हमलावर फरार हो गए। घटना में घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। एसपी अमित कुमार आनंद ने भी घटनास्थल का दौरा कर हालात देखे। घटना से गांव में तनाव बन गया है। सुरक्षा के लिहाज से गांव में पुलिस बल तैनात है। वहीं आरोपित गांव छोड़ कर फरार हो गए हैं। देर शाम तक तहरीर नहीं दी गई थी।

टैंकरों में लगे जीपीएस भी फेल ! धड़ल्ले से हो रहा पानी चोरी? दिल्ली के इन इलाकों में सबसे बुरा हाल

नई दिल्ली। राजधानी में गर्मियों में हर साल की तरह इस बार भी कई इलाके जल संकट की चपेट में हैं। इसमें नई दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और बाहरी दिल्ली के कई इलाके हैं, जहां जल बोर्ड के टैंकर ही इन दिनों सहारा हैं। लेकिन जीपीएस ट्रैकिंग के बावजूद टैंकर अपनी राह से भटक जा रहे हैं। नतीजतन लोगों को समय पर टैंकर नहीं मिल पा रहे हैं। सरकार ने सभी टैंकरों में जीपीएस लगाने के साथ इनकी निगरानी स्थानीय आरडब्ल्यूए और विधायकों को सौंपने का दावा किया था। लेकिन ऐसा हुआ नहीं है। कई आरडब्ल्यूए का कहना है कि निगरानी की उनके पास कोई व्यवस्था नहीं है। ये जल बोर्ड के पास ही है। नई दिल्ली के पहाड़गंज और नबी करीम स्थित लक्ष्मणपुरी तक दर्जनों कॉलोनियों में लोगों को हफ्ते में एक या दो बार ही टैंकर नसीब होता है। लक्ष्मणपुरी निवासी सुनील मल्होत्रा बताते हैं कि इलाके में रोज ही पानी का संकट होता है। सप्ताह में एक-दो बार टैंकर आ भी जाए तो पानी भरने के लिए धक्का-मुक्की हो जाती है। दैनिक जरूरतें पूरी करने के लिए कई परिवार महंगा बोतलबंद पानी या निजी टैंकर का सहारा लेने को मजबूर हैं। नबी करीम वार्ड के पार्षद कमल बागड़ी ने बताया कि टैंकर की किल्लत हमेशा रहती है। निवेदन करने पर कभी- कभी दो- तीन दिन में एक बार टैंकर आता है। टैंकरों में लगे जीपीएस की निगरानी जल बोर्ड मुख्यालय से होती है। दक्षिणी दिल्ली के कई इलाकों में भी पानी की

नियमित आपूर्ति नहीं हो रही है। यहां जैतपुर, मीठापुर, संगम विहार, देवली, ओखला, ओखला फेज दो में संजय कॉलोनी सहित कई ऐसी बस्तियां हैं, जहां पर जल बोर्ड में गुहार लगाने के बाद भी सप्ताह में तीन या चार बार ही टैंकर पहुंचता है। संजय कॉलोनी की अन्नू शर्मा ने बताया कि एक टैंकर के लिए उन्हें पहले घंटों जल बोर्ड के ऑफिस में बैठना पड़ता है। टैंकर आ जाए तो पानी के लिए मारामारी होती है। लोगों के घर में जरूरतों के लिए भी पानी नहीं है, मजबूरी में निजी टैंकर से पानी खरीदना पड़ता है। कमोबेश जैतपुर में भी यही स्थिति है। वहां भी कई-कई दिन में जल बोर्ड के टैंकर से पानी की आपूर्ति होती है। लोग फोन कर-करके थक जाते हैं, तब भी टैंकर नहीं आता है।आस्था कुंज पार्क के पास रहने वाली राधा देवी ने बताया कि उनके यहां जल बोर्ड की ओर से नियमित आपूर्ति हो रही है। दिन में दो बार टैंकर से पानी की आपूर्ति की जा रही है। फेडरेशन आफ आरडब्ल्यूए साकेत के प्रधान राकेश डबास ने बताया कि उनके यहां भी पानी की किल्लत है, टैंकर मंगवाते हैं तो आ जाते हैं, मगर उनकी निगरानी के लिए आरडब्ल्यूए के पास किसी तरह की कोई सूचना या जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि टैंकरों में लगे जीपीएस की निगरानी जल बोर्ड के मुख्यालय से होती है। किराड़ी में टैंकर के लिए सप्ताह भर की वेटिंग बाहरी दिल्ली के किराड़ी, जहांगीरपुरी, हैदरपुर, बवाना, नरेला आदि क्षेत्रों की दर्जनों कालोनियों की आबादी टैंकर के पानी पर आश्रित है। इन कॉलोनियों में पानी के टैंकर के लिए मारामारी की स्थिति है। किराड़ी में टैंकर के लिए सप्ताहभर की वेटिंग चल रही है। यानी, आपने टैंकर की मांग आज नोट कराई तो आपको पानी सप्ताहभर बाद मिलेगा। यह हाल तब है, जब किराड़ी क्षेत्र में 27 टैंकर हैं। किराड़ी आरडब्ल्यूए फेडरेशन का कहना है कि पानी के टैंकर के लिए कई-कई दिन इंतजार करना पड़ रहा है। जहांगीरपुरी के कई ब्लाक में लोगों को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। ई-ब्लॉक के लोगों का कहना है

दिल्ली मेट्रो की इस लाइन पर 45 तक मेट्रो सेवा रही बाधित, यात्रियों को हुई भारी परेशानी

नई दिल्ली। मेट्रो के किसी न किसी लाइन पर अक्सर खराबी आ रही है, जिससे यात्री परेशान होते हैं।बृहस्पतिवार को सुबह लगभग 45 मिनट तक मजेंटा लाइन पर मेट्रो सेवा बाधित रही। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने सुबह 7.24 पर एक्स पर पोस्ट करके बताया कि बोटेनिकल गार्डन से कालकाजी मंदिर तक मेट्रो सेवा बाधित है। यात्रियों को अन्य वैकल्पिक कॉरिडोर से यात्रा करने की सलाह दी गई। लगभग 45 मिनट तक यात्री परेशान रहे। सुबह 7.54 बजे डीएमआरसी ने एक्स पर पोस्ट कर सेवा सामान्य होने की जानकारी दी।बार-बार मेट्रो सेवा बाधित होने से यात्रियों में नाराजगी है। वह एक्स पर अपनी नाराजगी जता रहे हैं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने सुबह 7.24 पर एक्स पर पोस्ट करके बताया कि बोटेनिकल गार्डन से कालकाजी मंदिर तक मेट्रो सेवा बाधित है। यात्रियों को अन्य वैकल्पिक कॉरिडोर से यात्रा करने की सलाह दी गई। लगभग 45 मिनट तक यात्री परेशान रहे। सुबह 7.54 बजे डीएमआरसी ने एक्स पर पोस्ट कर सेवा सामान्य होने की जानकारी दी।बार-बार मेट्रो सेवा बाधित होने से यात्रियों में नाराजगी है। वह एक्स पर अपनी नाराजगी जता रहे हैं।

दिल्ली में फिर पकड़े गए 17 अवैध बांग्लादेशी, एक नवजात भी शामिल; जंगल के रास्तों से आए थे भारत

नई दिल्ली। दिल्ली में वसंत कुंज दक्षिण थाना क्षेत्र में चलाए जा रहे सत्यापन अभियान के दौरान पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 17 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की है। सभी को एफआरआरओ के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस के मुताबिक, 12 जून को बांग्लादेश के 16 अवैध प्रवासियों का पता चला। पूछताछ के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। वे जंगल के रास्तों का उपयोग करके भारत में दाखिल हुए और लंबे समय से भारत में ही रह रहे थे। वहीं, निर्वासन की प्रक्रिया के दौरान उनमें से एक महिला को प्रसव पीड़ा के कारण सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसने एक लड़के को जन्म दिया। नवजात लड़के सहित सभी 17 बांग्लादेशी प्रवासियों को एफआरआरओ के माध्यम से बांग्लादेश में आगे निर्वासन के लिए पीपी बडोला, पीएस महिंद्रा पार्क, दिल्ली में रखा गया है। पुलिस के मुताबिक, 12 जून को बांग्लादेश के 16 अवैध प्रवासियों का पता चला। पूछताछ के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। वे जंगल के रास्तों का उपयोग करके भारत में दाखिल हुए और लंबे समय से भारत में ही रह रहे थे। वहीं, निर्वासन की प्रक्रिया के दौरान उनमें से एक महिला को प्रसव पीड़ा के कारण सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसने एक लड़के को जन्म दिया। नवजात लड़के सहित सभी 17 बांग्लादेशी प्रवासियों को एफआरआरओ के माध्यम से बांग्लादेश में आगे निर्वासन के लिए पीपी बडोला, पीएस महिंद्रा पार्क, दिल्ली में रखा गया है।

एमसीडी ने तत्काल हेल्थ ट्रेड लाइसेंस की प्रक्रिया में किया बदलाव, गलत जानकारी देने पर कारोबार होगा सील

नई दिल्ली: एमसीडी ने तत्काल हेल्थ ट्रेड लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया के नियम को सख्त किया है। अब लाइसेंस डाउनलोड करने से पहले सभी दस्तावेजों को अपलोड कर एमसीडी से उसकी स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। अगर किसी आवेदक द्वारा गलत जानकारी दी गई तो एमसीडी सख्त कार्रवाई करेगा, जिसमें व्यापारिक परिसर को सील करना, जुमार्ना और अन्य दंडात्मक कार्रवाई शामिल है। एक अधिकारी के अनुसार, यह फैसला इस सुविधा के दुरुपयोग के मद्देनजर लिया गया है। अधिसूचित क्षेत्र के लिए जारी लाइसेंस होगा अमान्य नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जारी

कार्यालय के नए दिशानिर्देश के अनुसार यदि कोई आवेदक गैर अधिसूचित क्षेत्र में चल रहे व्यापार के लिए हेल्थ ट्रेड लाइसेंस जारी कराता है, तो वह लाइसेंस शुरूआत से ही अमान्य माना जाएगा। बिना दस्तावेज अपलोड किए लाइसेंस जारी होने की स्थिति में व्यापारी को त्रुटियों को सुधारने के लिए तुरंत नोटिस जारी किया जाएगा। एमसीडी अधिकारी के अनुसार, निगम के पोर्टल पर निर्धारित स्वास्थ्य संबंधित व्यापारों के लाइसेंस की पूरी प्रक्रिया इंटरनेट माध्यम से होगी। खाने-पीने की दुकानें रिहायशी इलाकों में नहीं चल सकतीं इसी तरह, आवेदक को पोर्टल पर लाइसेंस की स्थिति की जानकारी लेते रहनी होगी। यदि किसी त्रुटि के कारण कार्रवाई होती है, तो उसकी जिम्मेदारी स्वयं उसकी होगी। एमसीडी के एक अधिकारी ने बताया कि मास्टर प्लान में व्यावसायिक गतिविधियों की श्रेणियां स्पष्ट रूप से तय है। जैसे खाने-पीने की दुकानें रिहायशी इलाकों में नहीं चल सकतीं, लेकिन मिक्स्ड लैंड यूज क्षेत्रों में अनुमति है। जिम ग्राउंड फ्लोर पर चलाए जा सकते हैं। अधिकारियों ने व्यापारियों को आवेदन से पहले स्पष्टता हासिल करने की सलाह दी है।

राजधानी में फिर कत्ल... जवान लड़के पर चाकू से किए ताबड़तोड़ वार; इलाके में फैली दहशत

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में जहांगीरपुरी जी-ब्लाक चौक पर कुछ लोगों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर 18 वर्षीय युवक की हत्या कर दी। बताया जाता है कि एक व्यक्ति ने युवक को पकड़ लिया और दो ने चाकू से एक के बाद एक कई वार किए। वहीं, युवक को गंभीर हालत में बाबू जगजीवनराम अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि कुछ दिन पहले मृतक का स्कूटी चलाने को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस को अंदेशा है कि इसी विवाद को लेकर हत्या की गई है। इस बीच, पुलिस ने 52 वर्षीय एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक के स्वजन ने हमलावरों की संख्या चार बताई है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे जहांगीरपुरी थाना पुलिस को जी-ब्लाक में 18 साल के युवक को चाकू मारने संबंधी पीसीआर काल मिल। पुलिस को एक घर के बाहर काफी दूरी तक खून पड़ा मिला। पता चला कि स्वजन ने घायल को बाबू जगजीन राम अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस को पता चला कि अस्पताल में डाक्टरों ने घायल पीयूष को मृत घोषित कर दिया। मृतक दसवीं कक्षा का छात्र बताया जा रहा है। पुलिस ने फोरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल से सबूत इक्ट्ठा किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हत्या का मामला दर्ज करके आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस ने वारदात वाली जगह के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेज को भी कब्जे में लिया है। पुलिस ने फोरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल से सबूत इक्ट्ठा किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हत्या का मामला दर्ज करके आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस ने वारदात वाली जगह के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेज को भी कब्जे में लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी इलाके के ही हैं। एक अधिकारी ने बताया कि एक आरोपित को पकड़ लिया है। अन्य की तलाश की जा रही है। कुछ दिन पहले स्कूटी चलाने को लेकर विवाद हुआ था और अब बहसबाजी के बाद युवक पर हमला किया गया।

2200 अमेरिकी डॉलर की ठगी, पुलिस के हत्थे चढ़ा शातिर; पीड़ित को ऐसे बनाया था शिकार

नई दिल्ली। आईजीआई थाना पुलिस ने विदेश यात्रा के नाम पर एक शख्स से ठगी के आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित का नाम कुलदीप सिंह है। कुलदीप के खिलाफ थाना में नौ जून को प्राथमिकी हुई थी। जिसके अनुसार कुलदीप ने शिकायतकर्ता से ऑस्ट्रेलिया यात्रा कराने के बहाने ठगी की थी। आईजीआई जिला पुलिस की अतिरिक्त आयुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि मुंबई के चेंबूर निवासी खेमचंद बोरवाल ने पुलिस को बताया कि उनकी मुलाकात फेसबुक पर एक व्यक्ति से हुई, जिसने विदेशी वीजा दिलाने में मदद का दावा किया। पिछले दो वर्षों से पेशेवर जीवन में कठिनाइयों का सामना कर रहे खेमचंद ने ऑस्ट्रेलिया का वीजा प्राप्त करने के लिए मदद मांगी। आरोपित ने आश्वासन दिया कि कोई अग्रिम

भुगतान, यहां तक कि वीजा शुल्क भी नहीं देना होगा और उसकी टीम ऑस्ट्रेलिया भेजने की पूरी प्रक्रिया संभालेगी। इस आश्वासन पर, खेमचंद ने अपने पासपोर्ट की तस्वीर साझा की। बाद में, आरोपित ने उन्हें एक ऑस्ट्रेलियाई वीजा भेजा और छह जून को 2200 अमेरिकी डॉलर नकद के साथ दिल्ली आने को कहा। निर्देशों का पालन करते हुए, खेमचंद ने पैसे की व्यवस्था की और टर्मिनल 3 के गेट नंबर 5 पर पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात आरोपित कुलदीप से हुई। आरोपित ने नकदी ले ली और शिकायतकर्ता को बोर्डिंग पास और रसीद लाने के लिए इंतजार करने को कहा। लेकिन, आरोपित वापस नहीं लौटा। लगभग एक घंटे इंतजार करने के बाद, शिकायतकर्ता को ठगी का अहसास हुआ। एयरपोर्ट अधिकारियों से पूछताछ करने पर पता चला कि वीजा और फ्लाइट टिकट दोनों नकली थे। मामले को सुलझाने के लिए टीम गठित की गई, जिसमें सब इंस्पेक्टर उमेश यादव व अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। जांच के दौरान एयरपोर्ट डे के सभी सीसीटीवी कैमरों, यानी टर्मिनल के बाहर और अंदर के क्षेत्रों, का बारीकी से विश्लेषण किया गया। कई कैमरों की जांच के बाद भी आरोपित की कोई ठोस जानकारी नहीं मिली। बाद में सूत्रों के आधार पर, आरोपित कुलदीप सिंह को चेन्नई से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपित कुलदीप सिंह ने अपने अपराध में शामिल होने की बात कबूल की। उसने बताया कि वह 12वीं तक पढ़ा है और कुछ साल मुंबई में रहा, जहां वह कुछ एजेंटों के संपर्क में आया जो विदेश में नौकरी और यात्रा के नाम पर लोगों को ठगते थे। मुंबई से पंजाब लौटने के बाद, उसने स्वतंत्र रूप से फर्जी ट्रैवल एजेंट के रूप में काम शुरू किया। उसने फ्लाइ टू अब्रोड नाम से एक फेसबुक पेज बनाया, जहां उसने विभिन्न देशों के लिए सस्ते वीजा की पेशकश के विज्ञापन पोस्ट किए।

6 साल से इन समस्याओं से जूझ रहे राजधानी के लोग, जर्जर हालत में पाइपलाइन

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र में पानी और सीवर की समस्या बनी हुई है। छह वर्षों से यहां पर पानी की पाइपलाइन बिछाने, भूमिगत जलाशय और पंपिंग स्टेशन बनाने का काम रुक-रुक चल रहा है। अब तक यह परियोजना पूरी नहीं हो पाई है। ऐसे में इकाइयों तक पानी नहीं पहुंच पाया। सीवर लाइन का तो काम ही शुरू नहीं हुआ है। उद्यमी इस मामले को जल मंत्री प्रवेश वर्मा के सामने उठाएंगे। वह गुरुवार को उनसे मिलने जा रहे हैं। इस औद्योगिक क्षेत्र की बसावट को 35 साल हो गए। बसावट के वक्त यहां पानी की पाइपलाइन गई थी। प्रत्येक इकाई तक इसके जरिये पानी पहुंचता था। समय के साथ यह पाइपलाइन जर्जर हो गई। वर्ष 2013-14 में इससे पानी की आपूर्ति बाधित होने लगी थी। इससे उद्यमियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पानी आता नहीं था, लेकिन उसका मोटा बिल उद्यमियों के पास पहुंचता था। उद्यमियों की मानें तो धीरे-धीरे आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई। तब से अब तक इस औद्योगिक क्षेत्र में पानी की आपूर्ति नहीं है। इसी तरह सीवर की लाइन जाम पड़ी है। क्षेत्रीय औद्योगिक संगठन के आवाज उठाने पर दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (डीएसआइआइडीसी) ने दोनों कार्यों के लिए दो बार में दिल्ली जल बोर्ड को 8.76 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। इस राशि के मिलने पर वर्ष 2019 में यहां पानी की नई पाइपलाइन डलवाई गई थी। इसके बाद नये भूमिगत जलाशय और पंपिंग स्टेशन की बिल्डिंग बनवाई गई थी। लेकिन पंपिंग स्टेशन में मशीनरी नहीं लगने से पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई। सीवर लाइन को लेकर जल बोर्ड ने सर्वे कर पाया कि उसे दुरुस्त नहीं किया जा सकता, ऐसे में नई पाइपलाइन बिछानी पड़ेगी।

दिल्ली तिहाड़ में बड़ा फेरबदल, बदले 9 जेलों के अधीक्षक; जानिए किसे मिला क्या प्रभार

पश्चिमी दिल्ली। तिहाड़ में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। तिहाड़ की कुल 16 जेलों में नौ जेलों के अधीक्षक बदल दिए गए हैं। मुख्यालय में तैनात कई अधीक्षकों को अतिरिक्त दायित्व भी सौंपा गया है। वहीं, हालिया कुछ वर्षों में एक साथ इतने बड़े पैमाने पर किया गया यह पहला प्रशासनिक फेरबदल है। जेल मुख्यालय से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि कुछ अधीक्षकों के पदस्थापन की अधिकतम अवधि पूरी हो चुकी थी, वहीं कुछ अधीक्षक पदस्थापन के इंतजार में थे। इनके अलावा कुछ ऐसे भी अधीक्षक हैं, जिन्हें उनकी दक्षता को देखते हुए

संवेदनशील जेलों में भेजा गया है। किसे मिला क्या प्रभार जेल संख्या तीन के अधीक्षक प्रवीर कुमार सिंह को जेल संख्या सात का दायित्व सौंपा गया है। इन्हें जेल की इंटेलिजेंस व क्यूआरटी की देखरेख का अतिरिक्त काम भी सौंपा गया है। जेल मुख्यालय में तैनात प्रेम सिंह मीणा जेल अधीक्षक 1 के साथ जेल अधीक्षक दो मुख्यालय का भी काम देखेंगे। पदास्थापन की प्रतीक्षा में बैठे प्रदीप कुमार को मंडोली स्थित जेल संख्या 13 का अधीक्षक नियुक्त किया गया है। जेल संख्या दो के अधीक्षक आदित्य कुमार अस्थाना का तबादला जेल संख्या चार कर दिया गया है। इन्हें जेल संख्या तीन का अतिरिक्त दायित्व मिला है। जेल संख्या 13 के अधीक्षक आशीष कुमार को जेल संख्या आठ-नौ का अधीक्षक बनाया गया है। पदास्थापन की प्रतीक्षा में बैठे बिजेंदर को जेल संख्या पांच की जिम्मेदारी मिली है। इसी तरह पदास्थापन की प्रतीक्षा में बैठे पवन कुमार को जेल संख्या तीन का अधीक्षक नियुक्त किया गया है। जेल संख्या पांच के अधीक्षक ओम प्रकाश निमोरिया का तबादला जेल संख्या दो के अधीक्षक के तौर पर किया गया है।

राजधानी में वारदात करने वाले दो शातिर पुलिस के हत्थे चढ़े, चंद मिनटों में उड़ा देते थे मोबाइल

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो जेबकतरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चुराए गए पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान आश्रम, दिल्ली निवासी कुणाल उर्फ साहिल और मोलड़बंद एक्सटेंशन, बदरपुर निवासी प्रिंस उर्फ सन्नी के रूप में हुई है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ऐश्वर्या शर्मा ने बताया कि 15 जून को सनलाइट कालोनी थाने की पुलिस महारानी बाग के पास गश्त कर रही थी। पुलिस टीम जब महारानी बाग बस स्टैंड के पास पहुंची तो उन्होंने एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में भागते हुए देखा, जिस पर पुलिस टीम ने उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया। इस दौरान वहां एक और व्यक्ति आया, जिसने बताया कि आरोपित उसका मोबाइल फोन छीन कर भागा है। तलाशी लेने पर पीड़ित का मोबाइल फोन उसके पास मिला। आरोपित की पहचान कुणाल के रूप में हुई। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी के तीन और मोबाइल फोन भी बरामद किए। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। दूसरे मामले में बदरपुर थाना पुलिस ने एक जेबतराश प्रिंस उर्फ सन्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी का एक मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपित प्रिंस पहले भी चोरी और धोखाधड़ी के नौ मामलों में शामिल रहा है। इस दौरान वहां एक और व्यक्ति आया, जिसने बताया कि आरोपित उसका मोबाइल फोन छीन कर भागा है। तलाशी लेने पर पीड़ित का मोबाइल फोन उसके पास मिला। आरोपित की पहचान कुणाल के रूप में हुई। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी के तीन और मोबाइल फोन भी बरामद किए। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। दूसरे मामले में बदरपुर थाना पुलिस ने एक जेबतराश प्रिंस उर्फ सन्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी का एक मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपित प्रिंस पहले भी चोरी और धोखाधड़ी के नौ मामलों में शामिल रहा है।

दिल्ली के इस इलाके में जमकर गरजा बुलडोजर, आंखों के सामने मिट्टी में मिल गए आशियाने

पूर्वी दिल्ली। लोनी गोलचक्कर के पास पीडब्ल्यूडी की सड़क के फुटपाथ पर बसी झुग्गियों पर बुधवार सुबह बुलडोजर चला दिया गया। प्रशासन के यमुना विहार डिवीजन के स्पेशल टास्क फोर्स ने कार्रवाई को अंजाम दिया। निगम, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली पुलिस, बीएसईएस समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। विरोध होने की आशंका के चलते काफी संख्या में अर्धसैनिक बल व दिल्ली पुलिस के जवान तैनात किए गए। थे। यह झुग्गियां 25 वर्ष पुरानी बताई जा रही हैं। करीब 50 झुग्गियों को ढहा दिया गया। झुग्गियों के टूटने से राहगीर फुटपाथ पर चल सकेंगे। यह झुग्गियां परिवहन विभाग के कार्यालय के बाहर फुटपाथ पर बसी हुई थीं। फुटपाथ पर झुग्गी बसाकर रहने वाले लोग सड़क पर मिट्टी के बर्तन व लोहे से बना सामान बेचते थे। सड़क संकरी हो जाती थी, इससे करीब 100 मीटर के दायरे में जाम लगता था। दो वर्ष पहले भी इस स्थान से झुग्गी हटाने के लिए पीडब्ल्यूडी समेत अन्य विभाग की टीम पहुंची थी। उस वक्त आप व भाजपा की राजनीति के बीच यह कार्रवाई भेंट चढ़ गई थी। बुधवार को सुबह करीब साढ़े छह बजे पुलिस लोनी गोली चक्कर पर पहुंच गई थी। करीब आठ बजे रोड पर यातायात को पूरी तरह से बंद करके रूट डायवर्ट कर दिया था। एक घंटे तक बुलडोजर यहां पर गरजा। पक्की झुग्गियां बनाई हुई थी। झुग्गी को तोड़ने से पहले बीएसईएस ने बिजली के मीटर काटे। करीब सवा नौ बजे सड़क पर वाहनों का आवागमन शुरू हुआ। झुग्गी में रहने वाले लोगो ने विरोध भी किया, लेकिन पुलिस के आगे उनकी चल नहीं सकी।

चांदनी चौक मार्केट में मारपीट के आरोपी को अदालत ने इन शर्तों पर दी जमानत

नई दिल्ली। चांदनी चौक स्थित पांडे मार्केट में दुकान के बाहर सामान रखने को लेकर हुए विवाद में दर्ज प्राथमिकी के आरोपित को अदालत ने नियमित जमानत दे दी है। तीस हजारी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अंकुर जैन ने आरोपित को 25 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के एक जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि सभी घायल अस्पताल से छुट्टी पा चुके हैं, घटना के आठ घंटे बाद प्राथमिकी दर्ज हुई और आरोपित से कोई बरामदगी नहीं हुई। अदालत ने यह मानते हुए कि आरोपित की अब जांच में आवश्यकता नहीं है, उसे सशर्त जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि आरोपित बिना अनुमति देश नहीं छोड़ सकेगा। वहीं, अपना पता बदलने की स्थिति में अदालत को जानकारी देगा, कोई नए अपराध में शामिल होन पर जमानत रद की जा सकती है। वहीं, रिहाई के सात दिन के अंदर एसएचओ को मोबाइल नंबर देना होगा। साथ ही अदालत ने संबंधित अहलमद को निर्देश दिया है कि यदि 30 दिन में बेल बांड दाखिल नहीं किया गया तो सुप्रीम

कोर्ट के दिशा-निर्देशों के तहत मामले को दोबारा विचार के लिए सूचीबद्ध किया जाए। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 27 मई 2025 को शिकायतकर्ता आरिफ का छोटे भाई आसिफ सुबह 10 बजे चांदनी चौक में कोहिनूर मार्केट स्थित अपनी दुकान की सफाई कर रहा था, तभी बगल की दुकान के मालिक रेहान द्वारा दुकान के बाहर सामान रखे जाने को लेकर कहासुनी हुई। बात उस समय तो आसपास के लोगों के हस्तक्षेप से शांत हो गई, लेकिन दोपहर तीन बजे जब आसिफ दोबारा दुकान पर गया तो कुछ ही देर बाद वह भागता हुआ आया। उसके पीछे आरोपित रेहान, शाकिर, अयान और फैजान लाठी-डंडों से लैस होकर आए और शिकायतकर्ता, उसके भाई, एक अन्य व्यक्ति खालिद और उसके नाबालिग बच्चे के साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घटना के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई और आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा दिया।जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान आरोपित की ओर से अधिवक्ता अक्षय बेदी ने दलील दी कि सभी घायल डिस्चार्ज हो चुके हैं और अभी तक एमएलसी की अंतिम राय लंबित है। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक योगेंद्र आदरी व शिकायतकर्ता के अधिवक्ता डीसी अकरणैया ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि मामले में सह आरोपित अभी फरार है और आरोप गंभीर प्रकृति के हैं।

भारी बारिश में कुआं ढहा, दो स्कूली छात्र मिट्टी में दबे

खूंटी (एजेंसी)। झारखंड के खूंटी जिले में भारी बारिश के कारण एक कुआं ढहने से दो स्कूली छात्र मिट्टी के नीचे दब गए। प्रशासन ने बताया कि मुरहू पंचायत में यह घटना तब हुई जब दोनों छात्र कुएं के करीब थे। प्रशासन ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक दल को बचाव अभियान में तैनात किया है, लेकिन मिट्टी में दबे छात्रों का अभी पता नहीं चल सका है। भारी बारिश के कारण खूंटी के तोरपा में बनाई नदी पर पुल का एक हिस्सा भी ढह गया है जिससे खूंटी-सिमडेगा सड़क मार्ग बाधित हो गया है। एक अधिकारी ने बताया कि रांची सहित कई जिलों में भारी बारिश के कारण जनजीवन बाधित हो गया है। भारी बारिश के मद्देनजर बृहस्पतिवार को रांची और खूंटी सहित कई जिलों में स्कूल बंद किए गए हैं। एनडीआरएफ अधिकारियों ने बताया कि इन जिलों में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए दल तैयार है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रांची में बीते दो दिन से मूसलाधार बारिश हो रही है और गुरुवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने रांची, लोहरदगा, गुमला, खूंटी और सिमडेगा के लिए अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है।

असम में फिर एक गद्दार की गिरफ्तारी, पाकिस्तान के समर्थन में पोस्ट कर रहा था सफीकुल हक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अंदर भी कई दुश्मन नकाब पहन कर घूम रहे हैं, जो समय-समय पर देश के खिलाफ साजिश रचते हैं या साजिश रचने वालों की मदद करते हैं। पहलगाम हमले के बाद ज्योति मल्होत्रा रहित कई जासूसों को गिरफ्तार किया गया। इसी कड़ी में असम राज्य से अब तक सबसे ज्यादा गिरफ्तारियां इन गददरों की हुई है। सोशल मीडिया पर ''पाकिस्तान समर्थक और सांप्रदायिक पोस्ट'' साझा करने के आरोप में असम में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। राज्य में इसतरह के मामलों में अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 94 हो गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। सीएम शर्मा ने बताया कि आरोपी पर लगातार नजर रखी जा रही थी और नलबाड़ी से गिरफ्तार किया। मुख्यमंत्री ने पोस्ट कर बताया कि कामरूप पुलिस ने सफीकुल हक को गिरफ्तार किया है, जो अलग-अलग सिम कार्ड का इस्तेमाल कर फेसबुक पर पाकिस्तान के समर्थन में और सांप्रदायिक पोस्ट साझा कर रहा था।'' पुलिस ने उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है, जो कथित तौर पर ''भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक गतिविधियों'' में लिप्त हैं। विपक्षी 'ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट' (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम को पाकिस्तान और पहलगाम आतंकवादी हमले में उसकी मिलीभगत का बचाव करने के लिए देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में जमानत मिलने के बाद उन पर रासुका के तहत मामला दर्ज किया गया।

भय के वातावरण के बाद अब पटरी पर लौट रहा जम्मू-कश्मीर का पर्यटन

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिस असुरक्षा और भय का वातावरण पैदा होने की बात कही जा रही थी, वह अब खत्म हो रहा है। कश्मीर तक वंदे भारत ट्रेन के चलने और अमरनाथ यात्रा से पर्यटन फिर पटरी पर लौटने लगा है, जिससे स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। पर्यटकों की बढ़ती भीड़ और अमरनाथ यात्रा को देखते हुए सरकार ने बैसरन हमले के बाद बंद किए गए 50 पर्यटन स्थलों में से 16 को फिर खोल दिया है। उम्मीद की जा रही है कि सरकार अन्य पर्यटन स्थलों को भी जल्द ही खोल देगी। चंद दिनों में अमरेश्वर धाम की तीर्थयात्रा भी शुरू हो रही है। यह तीर्थयात्रा भी आतंकियों के निशाने पर रहती है। अगर तीर्थयात्रा आतंकी अपने किसी नापाक मंसूबे में सफल रहते हैं तो कश्मीर का पर्यटन पूरी तरह से पटरी से उतर जाएगा। ऐसा हुआ तो कश्मीर की अर्थव्यवस्था को भी बड़ा नुकसान पहुंचेगा। आम लोगों को भी ऐसे तत्वों के प्रति सचेत रहना होगा जो माहौल बिगाड़ने का षड्यंत्र रच रहे हैं। इसलिए सुरक्षातंत्र में किसी भी तरह के समझोते की गुंजाइश नहीं हैं।

बेंगलुरु में मिले मानव कंकाल से सनसनी, पुलिस ने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी और भारत की सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु की एक हाउसिंग सोसाइटी में मानव कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई है। मामले की जानकारी मिलते ही हरकत में आई स्थानीय पुलिस ने मानव खोपड़ी और कंकाल को जब्त कर छानबीन शुरू कर दी गई है। फिलहाल इसे फॉरेंसिक एनालिसिस के लिए भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, बेंगलुरु के मिको लेआउट स्थित बेगूर के एक अपार्टमेंट परिसर क्रेडेंस फ्लोरा में रह रहे निवासियों को उस समय गहरा झटका लगा जब सफाई के दौरान परकोलेशन पिट (आमतौर पर बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए बनाया गया गड्ढा) से मानव खोपड़ी और हड्डियां बरामद हुईं। यह सनसनीखेज घटना 16 जून को उस समय सामने आई जब रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा सफाई का कार्य चलाया जा रहा था। इस मामले की शिकायत अध्यक्ष स्कारिया जॉन ने दर्ज कराई, जिसके आधार पर बेगूर पुलिस ने अननैचुरल डेथ का मामला दर्ज किया है। बरामद खोपड़ी और हड्डियों को आगे की जांच के लिए फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस को एक्सपर्ट की रिपोर्ट का इंतजार है, जिससे मृतक की उम्र और मौत के समय से जुड़ी जानकारी सामने आ सकती है। स्कारिया जॉन ने अपनी शिकायत में बताया कि अपार्टमेंट परिसर में मौजूद 16 परकोलेशन पिट्स काफी समय से काम नहीं कर रहे थे, जिसके चलते नगर निकाय की ओर से नोटिस भी जारी हुए थे। इसी कारण पिट्स की सफाई के लिए एक ठेका दिया था। सफाईकर्मियों ने जब एक पिट को साफ करना शुरू किया, तो उसमें से उन्हें मानव अवशेष दिखाई दिए।

3000 के फास्टैग पास का फायदा देश के कई शहरों को नहीं मिलेगा

-कई हाईवे और एक्सप्रेसवे राज्य या निजी कंपनियां कर रही हैं ऑपरेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क परिवहन मंत्रालय ने तीन हजार रुपए सालाना पास का ऐलान किया है। इससे सालभर में आप 200 ट्रिप एनएच के टोल प्लाजा से फ्री में गुजर सकते हैं। इससे उन लोगों को फायदा होगा, जो एनएच के टोल से गुजरते हैं, लेकिन देश में बहुत से एक्सप्रेस-वे और हाईवे ऐसे हैं, जिन पर आपको टोल चुकाना होगा। देश में कई हाईवे और एक्सप्रेसवे राज्य सरकारों या बीओटी मॉडल के तहत निजी कंपनियों द्वारा ऑपरेट किए जा रहे हैं।

बता दें यूपी में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के तहत इसी तरह, महाराष्ट्र में मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे भी एमएसआरडीसी द्वारा बीओटी मॉडल पर आपरेट हैं। ये सभी परियोजनाएं एनएचएआई से अलग हैं, इसलिए इन पर नया फास्टैग नियम लागू नहीं होगा। यूपी एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण राज्य के अधिकांश एक्सप्रेसवे का निर्माण और संचालन करता है। यूपी में गंगा एक्सप्रेसवे, लंबाई- 594 किमी यह राज्य सरकार की परियोजना है, इसलिए नया फास्टैग नियम इस पर लागू नहीं होगा। इसके अलावा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की लंबाई-340.8 किमी है। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की लंबाई 296 किमी आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की लंबाई 302 किमी शामिल है।

वहीं मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे, जिसे यशवंतराव चव्हाण एक्सप्रेसवे भी कहा जाता है, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम द्वारा ऑपरेट किया जा रहा है। यह भारत का पहला छह-लेन एक्सप्रेसवे है, जिसका निर्माण बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर (बीओटी) मॉडल के तहत किया गया है चूंकि यह एनएचएआई के तहत नहीं आता है इसकी लंबाई 94.5 किमी है। मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे लंबाई 701 किमी, मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे की लंबाई 379 किमी है।

कर्नाटक सड़क विकास निगम लिमिटेड और सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रमुख परियोजनाओं का प्रबंधन करते हैं। बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे-लंबाई 119 किमी, शिवमोग्गा-हावेरी एक्सप्रेसवे- लंबाई 200 किमी प्रस्तावित है।

तमिलनाडु सड़क विकास कंपनी और राज्य राजमार्ग विभाग प्रमुख परियोजनाएं संचालित करते हैं। चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेसवे-लंबाई-262 किमी (तमिलनाडु हिस्सा)

ईस्ट कोस्ट रोड (ईसीआर)-लंबाई 160 किमी है। वहीं गुजरात राज्य सड़क विकास निगम कई परियोजनाएं संभालता है। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे-दलंबाई 93.1 किमी, राजकोट-जामनगर एक्सप्रेसवे लंबाई 117 किमी है आंध्र प्रदेश में अमरावती-अनंतपुर एक्सप्रेसवे (176 किमी, निर्माणाधीन)। केरल का कोच्चि-मदुरै एक्सप्रेसवे (227 किमी, प्रस्तावित) है।

नक्सल मुक्त अभियान सफल हो रहा है, पर पीड़ितों की समस्याओं का समाधान कब होगा

नई दिल्ली। कांकेर(ईएमएस)। जिले के अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित इलाकों से दिल को झकझोर देने वाली सच्चाई सामने आई है। यहां के कई ग्रामीण वर्षों से नक्सलियों के भय और उत्पीड़न का दंश झेलते आ रहे हैं। किसी ने अपने बेटे को खोया, किसी ने पति को, तो किसी ने अपनी बहन को नक्सल हिंसा में गंवा दिया। मजबूरीवश इन्हें अपना पुश्तैनी घर, खेत-खलिहान और पहचान छोड़कर दूसरे गांवों में शरण लेनी पड़ी। पीडित परिवारों का कहना है, ÷हम थक चुके हैं, लेकिन जब तक हमें पुनर्वास नीति के तहत नौकरी, मकान और बच्चों की शिक्षा नहीं मिलेगी, हम चुप नहीं बैठेंगे। हमने अपने जीवन के कीमती साल खो दिए, अब हमारी पीड़ा को समझिए।÷यह सिर्फ एक सरकारी योजना का सवाल नहीं है, यह इंसानियत, अधिकार और सम्मान की पुकार है।

सबसे बड़ा दर्द यह है कि जो लोग हाल ही में नक्सल हिंसा से पीड़ित हुए हैं, उन्हें तो सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ तुरंत मिल रहा है, लेकिन जिन्होंने दशकों पहले सब कुछ खोया, वे आज भी दर-दर भटक रहे हैं। आज ये पीड़ित परिवार कांकेर एसपी कार्यालय पहुंचे और पुनः आवेदन दिया बस एक ही मांग के साथ कि हमें न्याय चाहिए, हमें सम्मान के साथ जीने का हक चाहिए। इन पीड़ित परिवारों को गांव छोड़े अब 20 साल से ज्यादा हो चुके हैं। वे आज भी अस्थाई झोपड़ियों में रह रहे हैं, बिना किसी स्थायी घर, रोजगार या बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था के। हालांकि शासन ने इन्हें नक्सल पीड़ित होने का प्रमाण पत्र दे दिया है, लेकिन इसका ठोस लाभ आज तक नहीं मिला।

संजय कपूर की मौत मधुमक्खी के काटने से नहीं हुई, विशेषज्ञ ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के जाने-माने बिजनेसमैन और बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर की 12 जून को इंग्लैंड में पोलो मैच के दौरान मौत हो गई थी। इस मौत का कारण मधुमक्खी का डंक बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पोलो मैच खेलने के दौरान उनके मुंह में मधुमक्खी चली गई जिसने डंक मार दिया था और उसकी वजह से संजय कपूर की मौत हुई। संजय कपूर के आखिरी शब्द भी यही थे कि मैंने कुछ निगल लिया है। मधुमक्खी के डंक के बाद दिल का दौरा पड़ने की वजह से संजय की मौत हो जाने के बाद यह मामला चर्चा का विषय बना गया है कि आखिर क्या मधुमक्खी का डंक इतना जहरीला होता है कि किसी की जान चली जाए या वजह कुछ और ही है। इसको लेकर एलर्जी विशेषज्ञ और आईएपी एलर्जी चैप्टर के चेयरपर्सन ने बताया कि संजय कपूर की मौत दिल का दौरा पड़ने से नहीं हुई है। दिल का दौरा उन्हें क्यों पड़ा यह जानने की जरूरत है। विशेषज्ञ ने बताया कि असल में संजय कपूर ने मधुमक्खी निगल ली थी और जिसने उनके मुंह में डंक मार दिया था और जानकारी यह भी मिल रही है कि संजय कपूर को पहले से ही मधुमक्खी के डंक से एलर्जी थी। ऐसे में संजय कपूर की जो मौत हुई है वह असल में एक गंभीर एलर्जी की वजह से हुई है, जिसे एनाफिलैक्सिस कहा जाता है। यह गंभीर एलर्जी किसी चीज के संपर्क में आने से जैसे धूल, खाना, परफ्यूम या मिट्टी या फिर कोई भी ऐसी चीज जिसके संपर्क में आने से आपके शरीर पर दाने हो जाएं, आपको खांसी, सांस लेने में दिक्कत, होठों पर सूजन या ब्लड प्रेशर लो, तो समझ लीजिए कि आपको उस चीज से एलर्जी है और आप सावधानी करनी शुरू कर दें।

राजा हत्याकांड: रिमांड पूरी, हत्यारों को शिलॉन्ग कोर्ट में पेश करेगी पुलिस

-आरोपियों की हिरासत बढ़ाने करेगी आग्रह, पूछताछ में रो पड़ती है सोनम

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर के चर्चित व्यापारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में गिरफ्तार पांचों आरोपियों को शिलॉन्ग की जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया जाएगा। इन सभी की आठ दिन की पुलिस रिमांड आज समाप्त हो रही है। मेघालय पुलिस अब आरोपियों की हिरासत बढ़ाने कोर्ट से आग्रह करेगी, ताकि जांच को और गहराई से आगे बढ़ाया जा सके। यह मामला सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि एक गहरे षड्यंत्र की परतों को उजागर कर रही है, जिसमें पत्नी, प्रेमी और पेशेवर हत्यारों की भूमिका सामने आई है।

इंदौर के राजा रघुवंशी को उनकी पत्नी सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाहा के साथ मिलकर मरवाया था। इस साजिश को अंजाम देने के लिए उन्होंने तीन बदमाश आनंद सिंह कुर्मी, आकाश राजपूत और विशाल सिंह चौहान को पैसे देकर हायर किया था। हत्या की साजिश उस वक्त रची गई जब सोनम और राजा मेघालय में हनीमून मनाने गए थे। जानकारी के मुताबिक सोनम पहले से ही अपने प्रेमी राज कुशवाहा के संपर्क में थी और उसी दौरान योजना बनाई गई कि मेघालय में राजा की हत्या कर दी जाएगी।

बता दें राजा रघुवंशी का शव 2 जून को एक सुनसान पहाड़ी इलाके में मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर घावों के निशान मिले हैं, जिससे साबित होता है कि उनकी बेरहमी से हत्या की गई थी। घटना के बाद मेघालय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी पांचों आरोपियों सोनम, राज कुशवाहा, आनंद, आकाश और विशाल को गिरफ्तार कर लिया था। इन्हें 11 जून को शिलॉन्ग की जिला एवं सत्र अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया। पुलिस पूछताछ में सोनम ने राजा की हत्या की साजिश में शामिल होने की बात कबूल की है। वहीं पुलिस ने सभी आरोपियों का आमना-सामना कराकर परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की पुष्टि भी की। पूछताछ में सोनम कई बार रो पड़ी और अपने मोबाइल फोन के न मिलने की बात बताई। अब पुलिस जांच मेघालय से इंदौर की ओर मुड़ गई है। मेघालय पुलिस की एक विशेष टीम इंदौर पहुंची, जहां वह सोनम और राजा के परिवारजनों से पूछताछ कर रही है।

देश में कमजोर पड़ रहा कोविड-19 संक्रमण, बीते 24 घंटे में सक्रिय मामलों में गिरावट

नई दिल्ली। कोविड-19 संक्रमण का नया वैरिएंट अब कमजोर होता दिख रहा है। इससे संक्रमण के सक्रिय मामलों में लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। आम लोगों और सरकारों के लिए ये बड़ी राहत है। फिलहाल भारत में कोविड संक्रमण के सक्रिय केस घटकर 6 हजार से नीचे आ चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड को लेकर 19 जून की सुबह 8 बजे तक के आंकड़े जारी किए। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पूरे देश में 507 संक्रमण के मामले कम हुए हैं। इससे कुल सक्रिय केस घटकर 5976 बचे हैं। गुरुवार को सबसे बड़ी गिरावट कर्नाटक में दर्ज की गई, जहां संक्रमण के 187 केस घटे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटों में कर्नाटक के अलावा राजस्थान में 83, केरल में 75, गुजरात में 59, महाराष्ट्र में 46, उत्तर प्रदेश में 18 और आंध्र प्रदेश में 13 सक्रिय केस घटे हैं। हरियाणा में 9, मध्य प्रदेश में 7, झारखंड में 6, बिहार में 3, जम्मू कश्मीर में 2 और तेलंगाना-छत्तीसगढ़ में एक-एक कोरोना केस कम हुए हैं। 24 घंटों में संक्रमण के केस घटने के बाद केरल में अब कुल सक्रिय केस 1309 बचे हैं। गुजरात में अभी 1046 सक्रिय केस हैं। वहीं कर्नाटक में 466, महाराष्ट्र में 443, उत्तर प्रदेश में 257, राजस्थान में 219, तमिलनाडु में 187 और हरियाणा में 106 लोग अभी कोविड से संक्रमित हैं।

चार राज्यों की 5 सीटों पर वोटिंग जारी, केजरीवाल-ममता दीदी के सामने चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल, केरल, गुजरात और पंजाब की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। इन उपचुनावों को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़ा लिटमस टेस्ट माना जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस और माकपा जहां पश्चिम बंगाल और केरल में अपनी सत्ता को और मजबूत करने की कोशिश में हैं, वहीं भाजपा और आम आदमी पार्टी गुजरात और पंजाब में अपनी सीटें बचाने के लिए जोर लगा रही हैं। इन चुनावों के नतीजे 23 जून को आएंगे और सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल जैसे नेता अपनी पकड़ बरकरार रख पाएंगे।

पश्चिम बंगाल के कालिगंज में उपचुनाव टीएमसी विधायक नासिरुद्दीन अहमद की मृत्यु के बाद हो रहा है। टीएमसी ने उनकी बेटी अलिफा अहमद को उम्मीदवार बनाया है, ताकि महिला और अल्पसंख्यक वोटरों को अपने पक्ष में किया जा सके। भाजपा ने स्थानीय कार्यकर्ता आशीष घोष को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस-सीपीआई(एम) गठबंधन ने कबील उद्दीन शेख को चुना है।

केरल के नीलांबुर में उपचुनाव माकपा-समर्थित निर्दलीय विधायक पीवी अनवर के इस्तीफे के बाद हो रहा है, जिन्होंने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से मतभेद के बाद पार्टी छोड़ दी थी। माकपा ने एम स्वराज को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने पुराने नेता अर्यादान शौकत को उतारा है।

गुजरात की दो सीटों विसावदर और कड़ी पर उपचुनाव हो रहे हैं। विसावदर सीट आप विधायक भूपेंद्र भायानी के इस्तीफे और भाजपा में शामिल होने के बाद खाली हुई थी। भाजपा ने किरीट पटेल को उम्मीदवार बनाया है, जो सहकारी नेता और पूर्व जिला पार्टी अध्यक्ष हैं।

पंजाब के लुधियाना (पश्चिम) में उपचुनाव आप विधायक गुरप्रीत बसी गोगी की मृत्यु के बाद हो रहा है। आप ने राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को उम्मीदवार बनाया है, जो इस शहरी सीट को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस के भारत भूषण आशु, भाजपा के जीवान गुप्ता और शिरोमणि अकाली दल के परुपकर सिंह घुम्मन मैदान में हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, अरविंद केजरीवाल और आतिशी ने आप के लिए जमकर प्रचार किया, जबकि भाजपा ने दिल्ली और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों रेखा गुप्ता और नायब सिंह सैनी को उतारा।

पीके ने तेजस्वी पर साधा निशाना बोले- नीतीश का बेटा नहीं आ रहा राजनीति में

गोपालगंज (एजेंसी)। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के बहाने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कभी भी राजनीति में नहीं आएंगे। तेजस्वी को लेकर कहा कि

जिस हालत में वो खुद और उनका परिवार है। सभी जानते हैं कि उनके परिवार पर परिवारवाद का आरोप लगता है। तो ऐसे तेजस्वी यादव जैसे लोग चाहते हैं कि अगर नीतीश कुमार का लड़का राजनीति में आ जाए तो हमको यह कहने को हो जाएगा कि सभी के बच्चे राजनीति में हैं। हमाम में सब नंगे हैं।

एक राजनीतिक विश्लेषक के तौर पर अपनी पहचान रखने वाले प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि मैं जहां तक समझता हूं नीतीश कुमार का लड़का राजनीति में नहीं आ रहा है। अभी तक नहीं आ रहा है और आगे भी नहीं आएगा। लेकिन यह अफवाह तेजस्वी यादव जैसे लोग इसलिए उड़ाते हैं ताकि यह कहने को हो जाए कि हम अकेले नहीं हैं परिवारवाद करने वाले बिहार में सारे लोग परिवारवाद कर रहे हैं। बता दे कि बीते कई दिनों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में आने और चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रहीं थी। इसको लेकर कई राजनैतिक दलों में चर्चा है कि निशांत के चुनाव लड़ने से बिहार में क्या असर होगा। यहां सवाल सिर्फ एक सीट का नहीं है बल्कि पूरे प्रदेश में किस तरह का असर होगा इसको लेकर चर्चा चल रही है। हालांकि निशांत की पहचान सिर्फ सीएम के बेटे के तौर पर है। वो कभी सक्रिय राजनीति में नहीं रहे, लेकिन नीतीश के बेटे के तौर पर राज्य की कुछ सीटों को प्रभावित कर सकते हैं।

अब एयरपोर्ट के आसपास ऊंची इमारतों पर होगी कार्रवाई, डीजीसीए ने उठाया कदम

-अधिकारियों को ढांचे को गिराने या ऊंचाई कम करने का होगा अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद एयर इंडिया विमान दुर्घटना के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय (डीजीसीए) ने एक अहम कदम उठाया है। मंत्रालय ने विमान सुरक्षा में जोखिम पैदा करने वाली भौतिक संरचनाओं पर नियंत्रण को कड़ा करने के लिए नए मसौदे और नियम जारी किए हैं। बता दें 12 जून को अहमदाबाद से लंदन का रहा विमान उड़ान भरते ही कुछ दूरी पर जाकर विमान बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से टकराया और उसमें आग लग गई। इस दुर्घटना में विमान में सवार 242 में से 241 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद अब केंद्र सरकार कड़े कदम उठा रही है।

नए मसौदा नियमों का नाम 'विमान अवरोधों को गिराने के नियम-2025' रखा गया है। ये नियम राजपत्र में प्रकाशित होते ही लागू हो जाएगा। इनका उद्देश्य एयरपोर्ट के आसपास के क्षेत्रों में ऊंचाई की सीमा से ज्यादा इमारतों और पेड़ों पर त्वरित कार्रवाई के लिए अधिकारियों को अधिकार देना है। इस पहल को विमान मार्गों में आने वाली रुकावटों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक सक्रिय कदम के रूप में देखा जा रहा है।

मसौदा नियमों के तहत यदि कोई इमारत तय ऊंचाई से ज्यादा है तो संबंधित क्षेत्र के प्रभारी अधिकारी की ओर से उसे नोटिस जारी किया जाएगा। संपत्ति मालिक को 60 दिनों के अंदर साइट प्लान और ढांचे की माप समेत अन्य विवरण प्रस्तुत करने होंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो अधिकारियों को ढांचे को गिराने या ऊंचाई कम करने की कार्रवाई का अधिकार होगा।

यदि डीजीसीए या कोई अधिकृत अधिकारी किसी ढांचे को नियमों का उल्लंघन मानता है तो वो इसे हटाने या कम करने का आदेश जारी कर सकता है। मालिक को पालन करने के लिए 60 दिन का समय दिया जाएगा, जो उचित कारणों पर और 60 दिन तक बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा अधिकारियों को दिन के समय स्थल का निरीक्षण करने की इजाजत होगी, बशर्ते वह संपत्ति मालिक को पहले से सूचित करें। अगर संपत्ति मालिक सहयोग नहीं करता तो अधिकारी जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई कर सकते हैं और मामला डीजीसीए को भेज सकते हैं।

मसौदा नियमों के तहत यदि किसी ढांचे को हटाने या कम करने का आदेश दिया जाता है तो संपत्ति मालिक पहले या दूसरे अपीलीय अधिकारी के सामने तय फॉर्म, जरुरी दस्तावेज और एक हजार रुपए शुल्क के साथ अपील कर सकते हैं। इसमें मुआवजे की शर्तें भी रखी गई हैं। सिर्फ वह मालिक जिन्हें आधिकारिक आदेशों के मुताबिक ढांचे को गिराने या संशोधित करने के लिए कहा गया है और जिन्होंने आदेश का पालन किया है, उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। अधिसूचना की तिथि के बाद नियमों का उल्लंघन कर बनाए गए किसी भी ढांचे को मुआवजा नहीं मिलेगा। डीजीसीए ने इन मसौदा नियमों पर प्रकाशन के 20 दिनों के अंदर जनता से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं।

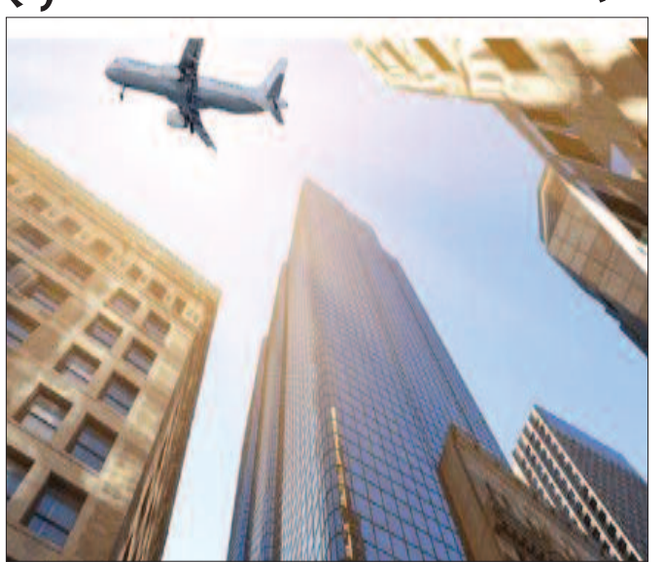

शुभमन की कप्तानी में बेहतर शुरुआत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

लीड्स (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम शुक्रवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में उतरेगी। इस मुकाबले से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीस) 2025-27 के चक्र की भी शुरुआत होगी। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। इस सीरीज में भारतीय टीम विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतरेगी ऐसे में टीम में शामिल युवाओं के पास अपने को साबित करने का अच्छा अवसर रहेगा। ऐसे में ये सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए भी एक नए युग की तरह होगी। इस मैच में शुभमन के अलावा शस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। सात साल बाद वापसी कर रहे करुण नायर के अभ्यास सत्र में चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह के बास रहेगी। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाज उनका साथ देंगे। स्पिन की कमान कुलदीप यादव के पास रहेगी।

वहीं पिच की बात करें तो हेडिंग्ले की पिच अपने उछाल और तेजी के लिए जानी जाती है। वहीं पिच क्यूरेटर रॉबिन्सन का कहना है कि वह चाहते हैं मैच पूरे पांच दिन तक चले। उनका उद्देश्य यह है कि पिछली बार की तरह तीन दिन में खेल खत्म न हो इसलिए ऐसे पिच बनायी गयी है जिसपर शॉट खेले जा सकें। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जो भी टीम पहले बल्लेबाजी करेगी वह करीब 300 रन बना सकेगी। मौसम विभाग ने भी गर्मी की संभावना जताई है, जिससे बल्लेबाजों को सहायता मिल सकती है। हालांकि पिच फिलहाल हरी-भरी दिख रही है, जिससे शुरुआती ओवरों में तेज गेंदबाजों को सहायता मिल सकती है।

आंकडों पर नजर डालें तो यहां अब तक 81 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें से 37 मैच मेजबान टीम ने जीते हैं। विदेशी टीमों को यहां 25 बार जीत मिली है जबकि 18 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। यहां दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम को ज़्यादा सफलता मिली है। वहीं पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जहां 29 बार जीत हासिल की, वहीं दूसरी पारी में खेलने वाली टीम ने 34 बार जीत दर्ज की है। इस मैदान पर अब तक का सबसे अधिम स्कोर 653/4 और सबसे कम स्कोर 61 रन रहा है। भारत और इंग्लैंड के बीच यहां अब तक कुल 136 टेस्ट मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम को केवल 35 मैचों में जीत मिली है, जबकि इंग्लैंड ने 51 मुकाबले जीते हैं व 50 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। यहां पर भारतीय टीम का रिकॉर्ड काफी खराब रहा है और उसे 67 मैचों में से केवल 9 टेस्ट में ही जीत मिली है।

इस बार भारतीय टीम टीम युवा निडर होकर उतरेगी पर इंग्लैंड के हालातों में खेलना आसान नहीं होता है। अब देखना है कि टीम किस प्रकार से खेलती है।

वहीं दूसरी ओर बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली मेजबन टीम को हालातों का लाभ मिलेगा उसके पास जो रुट हैरी ब्रुक और बने डकेट जैसे बल्लेबाज हैं हालांकि टीम के अनुभवी गेंदबाज चोटिल हैं जिससे उसकी गेंदबाजी कमजोर हुई है। जिसका लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। उसकी क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर पर टिकी रहेगी

इंग्लैंड ने जहां अपनी अंतिम ग्यारह टीम घोषित कर दी है। वहीं भारतीय टीम मैच से पहले ही अंतिम ग्यारह की घोषिता करेगी।

इंग्लैंड की एकादश : जैक क्रॉउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

भारतीय : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा।

हरभजन, रैना सहित चार पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में भाग लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और सुरेश रैना सहित चार पूर्व भारतीय क्रिकेटर 5 से 16 अगस्त तक होने वाले सुपर60 यूएसए लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलते नजर आयेंगे। इस टूर्नामेंट में हरभजन और रैना के अलावा शिखर धवन व रॉबिन उथप्पा भी खेलेंगे। इन सभी पूर्व क्रिकेटरों ने कहा कि इस टूर्नामेंट में खेलने का अवसर मिलने से वह उत्साहित हैं। हरभजन ने कहा, मैं सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। यह एक अनूठा और विशिष्ट प्रारूप है जो खेल में नयापन लाने का वादा करता है। अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों की भागीदारी के साथ, यह टूर्नामेंट अमेरिका में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाएगा। लोकप्रिय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

वहीं रैना ने कहा, मैं सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं, जो विश्व स्तरीय प्रतिभाओं को एक साथ लाता है। इस तरह का टूर्नामेंट अमेरिका में क्रिकेट के विकास में अहम भूमिका निभाएगा और मुझे इसका हिस्सा होने पर गर्व है।

धवन ने कहा, सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में शामिल होना बढ़ते क्रिकेट समुदाय में प्रशंसकों से जुड़ने का एक अच्छा अवसर है। अंतरराष्ट्रीय सितारों और एक नए आकर्षक प्रारूप के साथ इस आयोजन से अमेरिका में क्रिकेट को मुख्यधारा में लाने की राह बनेगी।

उथप्पा ने कहा, सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट प्रतिस्पर्धा और नवाचार दोनों के मामले में एक बेहतरीन मंच है। इसका अनूठा प्रारूप खेल में एक नया आकर्षण लाता है और नए प्रशंसकों को आकर्षित करने की बहुत संभावना है।

इंग्लैंड बनाम भारत : लीड्स में पहले टेस्ट से पूर्व करुण नायर चोटिल, 8 वर्षों बाद टेस्ट में कर रहे वापसी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरूआत से एक दिन पहले भारतीय टीम को झटका लगा है। लगभग 8 वर्षों के बाद टेस्ट क्रिकेट में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी को तैयार करुण नायर अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की श्रृंखला 20 जून से शुरू होगी और यह सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (ड्ब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र की शुरुआत भी की है।

नायर 2017 के बाद से अपना पहला टेस्ट खेलने की उम्मीद में थे, लेकिन नेट सत्र के दौरान तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंद से पसलियों पर चोट लग गई। इस चोट के कारण 33 वर्षीय खिलाड़ी असहज महसूस कर रहे थे, हालांकि, उन्होंने जल्द ही बल्लेबाजी फिर से शुरू कर दी। अपने बल्लेबाजी सत्र के बाद उन्होंने सहयोगी स्टाफ और टीम के सदस्यों को चोट दिखाई थी।

दाएं हाथ के बल्लेबाज को एक समय भविष्य का सितारा माना जा रहा था क्योंकि वह टेस्ट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए थे, लेकिन शानदार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। 2024-25 के सत्र में एक ठोस घरेलू सत्र, जिसमें भारत ए बनाम इंग्लैंड लायंस श्रृंखला में हाल ही में दोहरा शतक और विदर्भ की रणजी ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका शामिल है, ने उन्हें राष्ट्रीय टीम में वापस बुला लिया।

वेस्टइंडीज दौरा लाबुशेन के लिए 'आखिरी मौका' है : पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी को लगता है कि वेस्टइंडीज दौरा संघर्षरत और आलोचनाओं से घिरे बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन के लिए आखिरी मौका है तथा एक और खराब प्रदर्शन से एशेज में खेलने की उनकी संभावनाएं खतरे में पड़ जाएंगी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लॉर्ड्स में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में सलामी बल्लेबाज के रूप में विफल रहे मार्नस ने अपनी जगह पर सवालिया निशान लगा दिए हैं क्योंकि उन्होंने 2023-25 ??के अपने चक्र को 20 पारियों में 974 रन के साथ समाप्त किया जिसमें 38 पारियों में एक शतक और आठ अर्द्धशतक के साथ 27.82 का खराब औसत रहा।

लाबुशेन का आखिरी टेस्ट शतक जुलाई 2023 में एशेज के दौरान मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ आया था और तब से, उन्होंने 16 टेस्ट में

बल्ले से 24.74 की औसत से रन बनाए हैं, जिसमें 30 पारियों में 668 रन और 7 अर्द्धशतक शामिल हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने कहा, %यह एक मुश्किल सवाल है। लेकिन पिछले दो वर्षों में उनका औसत 20 के मध्य में रहा है, और उन्होंने केवल एक शतक बनाया है। अगर वह कैरिबियन में खेलते हैं, तो मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से आखिरी मौका है, इसमें कोई संदेह नहीं है। मुझे लगता है कि अगर वह मजबूत प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो मुझे लगता है कि उन्हें एशेज में नहीं खेलने का असली खतरा है।%

गिलेस्पी ने कहा कि उन्हें लगता है कि लाबुशेन या 38 वर्षीय उस्मान ख्वाजा में से कोई एक, जो ड्ब्ल्यूटीसी फाइनल की दोनों पारियों में दोहरे अंक को छूने में विफल रहे। स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड के चौथे और पांचवें नंबर पर रहने के कारण, तीसरा नंबर खाली रह गया है। कैमरून ग्रीन वापसी उम्मीद कर रहे हैं, गिलेस्पी ने सोचा कि क्या श्रीलंका के खिलाफ डेब्यू पर शतक बनाने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंगलिस वह स्थान लेंगे, भले ही उन्होंने मध्य-क्रम के लिए वरीयता दिखाई हो।

गिलेस्पी ने कहा, 'मुझे पता है कि स्टीव स्मिथ की सर्वश्रेष्ठ स्थिति चौथे नंबर पर है और मुझे लगता है कि ट्रैविस हेड की सर्वश्रेष्ठ स्थिति पांचवें नंबर पर है। मुझे लगता है कि वे लोग काफी हद तक तैयार हैं। इसलिए चयनकर्ताओं को यह तय करना होगा क्या इंग्लिस तीसरे नंबर पर काम करने के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति हैं, या मार्नस तीसरे नंबर पर काम करने के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति हैं? अगर वे हैं, तो उनमें से किसी एक को खिलाएं।' उन्होंने कहा, 'अगर नहीं, तो घरेलू क्रिकेट में कुछ प्रदर्शन करने वालों को या तो ओपनर या नंबर तीन पर पुरस्कृत करें, जिन्होंने शेफील्ड शील्ड क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, ताकि उनमें से किसी एक खिलाड़ी को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए बढ़ावा दिया जा सके।'

अब तक चार भारतीय कप्तानों ने ही इंग्लैंड में लगाये हैं शतक , शुभमन के पास पांचवां खिलाड़ी बनने का अवसर

लीड्स । शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम शुक्रवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरेगी । शुभमन इससे पहले के इंग्लैंड दौरे में रन नहीं बना पाये थे । ऐसे में उनका लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना होगा । भारतीय टीम को इस सीरीज में पांच मैच खेलने हैं जिसमें शुभमन का लक्ष्य शतक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम करना भी रहेगा । इंग्लैंड में अब तक चार भारतीय कप्तान ही शतक लगा पाये हैं और शुभमन का लक्ष्य शतक लगाने वाला पांचवां कप्तान बनना रहेगा । अब तक केवल चार भारतीय कप्तान ही इंग्लैंड में शतक जड़ने में सफल हो पाये हैं । भारतीय टीम की ओर से इंग्लैंड में शतक लगाने वाले पहले कप्तान मंसूर अली खान पटौदी हैं । उन्होंने 1967 में लीड्स टेस्ट में 148 रनों की शानदार पारी खेली थी । यह किसी भारतीय कप्तान का इंग्लैंड में पहला शतक था । इसके बाद लंबे समय तक कोई भी कप्तान इंग्लैंड में शतक नहीं लगा पाया । इसके बाद मोम्मद अजहरुद्दीन ने 1990 के इंग्लैंड दौरे पर दो शतक लगाये । अजहर ने लॉर्ड्स में 121 और मैनचेस्टर में 179 रनों की पारी खेली । इसके बाद 2002 में सौरव गांगुली ने लीड्स में 128 रन बनाये । वहीं इंग्लैंड में शतक लगाने वाले चौथ भारतीय कप्तान विराट कोहली रहे । उन्होंने साल 2018 के इंग्लैंड दौरे पर दो शतक लगाये । कोहली ने बर्मिंघम में 149 और नॉटिंघम में 103 रनों की पारी खेली थी । ऐसे में अब शुभमन के पास भी कप्तान के तौर पर शतक लगाने वाला पांचवां कप्तान बनने का अवसर है ।

शुभमन की टीम प्रतिभाशाली, विशेष सफलता हासिल करेगी : कपिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि शुभनन गिल के नेतृत्व में इंग्लैंड गयी टीम को अुनभवहीन कहना गलत है । कपिल ने कहा कि शुभमन और उनकी टीम काफी प्रतिभाशाली है और वे इस दौरे में कुछ विशेष जरुर करेंगे । कपिल ने शुभमन को कप्तान बनाये जाने के फैसले को सही बताया है। उन्होंने माना कि शुभमन ने इससे पहले इंग्लैंड में केवल 3 टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उन्होंन 14.66 की औसत से केवल 88 रन बनाए हैं। कपिल ने शुभमन को अच्छा और प्रतिभाशाली खिलाड़ी बताया और कहा कि अब वह भारतीय टीम का कप्तान है । साथ ही भरोसा जताया है कि वह ट्रॉफी लेकर लौटेगा । उन्होंने कहा कि सभी को शुभकामनाएं । मुझे उम्मीद है कि वे विजेता बनकर घर लौटेंगे और अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलेंगे ।' 1983 की विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव मौजूदा भारतीय टीम को अनुभवहीन कहे जाने के खिलाफ हैं । उन्होंने कहा, आज वे हो सकता है कि अनुभवहीन हों, लेकिन कल वे अनुभवी हो जाएंगे हमें अपनी टीम पर गर्व होना चाहिये । मुझे इन खिलाड़ियों में भरोसा है कि वे कुछ विशेष करेंगे । मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि जाओ और खेलो । केवल इतनी बात है । आनंद उठाओ, मैं भारतीय टीम से सिर्फ इतना कहना चाहता हूं । कपिल ने टीम के तेज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंस करते हुए उन्हें विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक करार दिया ।

बांगर की बेटी अनाया बोली, ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों को महिला क्रिकेट में भाग लेने की अनुमति दे आईसीसी और बीसीसीआई

लंदन (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर ने आईसीसी और बीसीसीआई से ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों का समर्थन करने की अपील की है। अनाया ने कहा है कि ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों को भी महिला क्रिकेट में भाग लेने की अनुमति दी जाये। अभी ट्रांसजेंडर क्रिकेटरों के महिला क्रिकेट भाग लेने पर प्रतिबंध है।

लड़के से लड़की बनी अनाया ने अपनी बात को तर्कसंगत बनाने एक वैज्ञानिक रिपोर्ट भी साझा की है जिसमें एक ट्रांसजेंडर एथलीट के रूप में उनकी परिवर्तन यात्रा को बताया गया है। अनाया इन निष्कर्षों को आईसीसी और बीसीसीआई को सौंपने की योजना बना रही हैं। उनका मानना है कि विज्ञान के अनुसार वह महिला क्रिकेट के लिए योग्य

हैं और अब यह देखना है कि दुनिया इस सच्चाई को मानने के लिए तैयार है या नहीं।

अनाया ने इस रिपोर्ट का एक वीडियो भी जारी किया है। अनाया ने बताया कि उन्होंने एक साल तक हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एवआरटी) लेने के बाद मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर काम किया। इन टेस्टों में उनकी मांसपेशियों की ताकत, सहनशक्ति, ग्लूकोज और ऑक्सीजन के स्तर का डेटा इकट्ठा किया गया। फिर इस डेटा की तुलना सामान्य महिला एथलीटों से की गई। परिणामों से पता चला कि अनाया के ये सभी पैरामीटर सामान्य महिला एथलीटों के स्तर के भीतर थे। अनाया ने अपनी बात रखते हुए कहा, पहली बार, मैं उस वैज्ञानिक रिपोर्ट को साझा कर रही हूं जो एक ट्रांस महिला एथलीट के रूप में मेरी यात्रा को दिखाती है। पिछले एक साल में, मैंने हार्मोन थेरेपी शुरू करने के बाद संरचित शारीरिक आकलन किया है। यह रिपोर्ट मेरे परिवर्तन के वास्तविक, मापने योग्य प्रभाव को दर्शाती है, न कि राय, न धारणाएं, बल्कि डेटा।

अनाया ने आगे कहा, मैं इसे पूरी पारदर्शिता और उम्मीद के साथ बीसीसीआई और आईसीसी को सौंप रही हूं। मेरा एकमात्र इरादा डर पर नहीं, बल्कि तथ्यों पर आधारित है। जगह बनाना है, विभाजित करना नहीं। आप सहमत हों या न हों, देखने के लिए धन्यवाद।

श्रेयस होते तो भारतीय टीम के लिए बदलाव का सामना करना आसान होता : नाइट

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज निक नाइट ने भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें टीम में रखा जाना चाहिये था । नाइट के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के नहीं होने से बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम को श्रेयस के रहने से लाभ होता । नाइट के अनुसार श्रेयस एक अच्छे बल्लेबाज जो जो मध्यक्रम को संभाल सकते हैं । उन्होंने कहा कि इस दौरे में भारतीय टीम ने चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को शामिल कर टीम किया है । वह टीम के लिए एक्स फैक्टर साबित होंगे । अय्यर के टीम का हिस्सा नहीं होने के कारण नाइट को कुलदीप और युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं । सुदर्शन के लीड्स में पहले टेस्ट में डेब्यू करने की उम्मीद है । उन्होंने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज लोकेश राहुल को इस दौरे में अहम जिम्मेदारी संभानली होगी । उनके ऊपर एक प्रकार से बल्लेबाजी टिकी होगी । उनके अलावा एक दो खिलाड़ियों को छोड़ दें तो अन्य सभी बल्लेबाज नये हैं और उनके पास अनुभव नहीं है । ऐसे में शीर्ष क्रम को बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी जिससे कि मध्यक्रम पर दबाव न आये । साथ ही कहा कि अगर भारतीय टीम को ये सीरीज जीतनी है तो उसके गेंदबाजों को 20 विकेट लेने होंगे । भारतीय टीम साल 2007 के बाद यहां एक भी सीरीज नहीं जीती है । ऐसे में उसके लिए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है । नाइट ने इस बात पर भी जोर दिया कि अगर भारत को 2007 के बाद इंग्लैंड में अपनी पहली सीरीज जीतने है तो 20 विकेट लेना अहम होगा । इंग्लैंड के लिए 17 टेस्ट और 100 एकदिवसीय मैच खेलने वाले 55 साल के नाइट नहीं चाहते कि भारत अपनी बल्लेबाजी को मजबूत के लिए गेदंबाजी से समझौता करे ।

भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगा इंग्लैंड के अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण का लाभ

लीड्स । यहां शुक्रवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाजों के लिए बड़ा स्कोर बनाने का अवसर है । इसका कारण ये है कि मेजबान टीम के अनुभवी गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर है । ऐसे में भारतीय टीम टीम को कम अनुभवी गेंदबाजों का सामना करना है । तीन गेंदबाज ऐसे हैं, जिनका टेस्ट मैच खेलने का कुल अनुभव केवल 24 टेस्ट है । इसका लाभ अगर भारतीय बल्लेबाज उठाते हैं तो वह मैच में बढ़त हासिल कर सकती है । इंग्लैंड के गेंदबाजी क्रम में क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर हैं जैसे गेंदबाज हैं । वहीं पांचवें गेंदबाज कप्तान बेन स्टोक्स हैं । अगर वोक्स और स्टोक्स को हटा दिया जाये तो कार्स, टंग और बशीर के टेस्ट खेलने का कुल अनुभव 24 टेस्ट है । कार्स ने 5, टंग ने 3 और बशीर ने 16 मुकाबले ही खेले हैं । वहीं भारतीय बल्लेबाजी में भी अधिकतर युवा बल्लेबाज हैं केवल शीर्ष चार बल्लेबाजों को ही टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है । सबसे अनुभवी केएल राहुल 34 टेस्ट हैं वहीं यशस्वी जायसवाल ने भी अब तक 19 टेस्ट खेल लिया है ।

अपने फैसलों पर फोकस रखें शुभमन, बाहरी आवाजों पर ध्यान नहीं दे : तेंदुलकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में बदलाव के कठिन दौर में टीम की कमान संभालने जा रहे शुभमन गिल को उचित समय और सहयोग दिया जाना चाहिये और नए कप्तान को सलाह दी कि ड्रेसिंग रूम से बाहर की टिप्पणियों पर सोचे बिना वह अपनी रणनीति पर फोकस रखें। 25 वर्ष के गिल इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भारत के कप्तान होंगे। इस श्रृंखला के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के नये चक्र की शुरूआत होगी।

भारतीय टीम अपने तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के बिना उतरेगी जो टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। हेडिंग्ले में पहले टेस्ट से पूर्व पीटीआई को दिये इंटरव्यू में तेंदुलकर ने कहा, 'मुझे लगता है कि उसे (गिल को) समय देना होगा। उसे सहयोग देने की भी जरूरत है।' भारत का कप्तान होना काफी दबाव वाला काम है और तेंदुलकर को पता है कि अलग अलग तरह के सुझाव सामने आयेंगे लेकिन उनका मानना है कि गिल इससे बखूबी निबट लेंगे।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कई तरह के सुझाव सामने आयेंगे कि उसे ऐसा करना चाहिये या वैसा करना चाहिये । इस तरह की बातें होंगी लेकिन उसे टीम की रणनीति पर फोकस करना चाहिए। ड्रेसिंग रूम में क्या बात हो रही है और क्या रणनीति उसके अनुरूप है।' तेंदुलकर ने कहा, 'और जो भी फैसले हो रहे हैं, वे टीम के हित में हैं या नहीं और उसे किस पर ध्यान देना चाहिए। उसे बाहरी आवाजों पर ध्यान नहीं देना चाहिए जिसमें लोग कहेंगे कि वह अधिक आक्रामक है या अधिक रक्षात्मक या इसी तरह की बातें। लोग राय देते रहेंगे। आखिर में मायने यही रखता है कि ड्रेसिंग रूम में क्या हो रहा है और टीम के हित में वह क्या कर रहा है। यही अहम है, बाकी कुछ नहीं।'

इंग्लैंड में 1990 से 2011 के बीच में पांच टेस्ट श्रृंखलायें खेल चुके तेंदुलकर का मानना है कि बल्लेबाजों को हालात के अनुरूप खुद को ढालना होगा। उन्होंने कहा, 'आपको हालात को भांपकर उसके अनुरूप बल्लेबाजी करनी होगी। जब आप हालात को समझते हैं तो मानसिक तौर पर उस तरह से अपनी रणनीति बना सकते हैं। एकतरफा ट्रैफिक नहीं हो सकता कि मेरा खेल ऐसा है और मैं तो ऐसे ही खेलूंगा।'

तेंदुलकर ने कहा, 'बल्लेबाजों को लचीला रवैया रखना होगा। ऐसा नहीं करने पर भारी खामियाजा उठाना पड़ सकता है। आपको पता होना चाहिए कि कब आक्रामक खेलना है और कब रक्षात्मक।' चुनौतियों के बावजूद भारत के पास काफी सकारात्मक पहलु हैं मसलन करूण नायर और बी साइ सुदर्शन जैसे बल्लेबाज भले ही इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट नहीं खेले हों लेकिन नॉर्थम्पटनशर और सर्रे के लिए काउंटी क्रिकेट खेल चुके हैं।

तेंदुलकर ने कहा, 'ये सभी इंग्लैंड में खेल

चुके हैं। भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो लेकिन इंग्लैंड में क्रिकेट खेला है। वे यहां की परिस्थितियों से अनभिज्ञ नहीं हैं। वे दक्षिण अफ्रीका में, न्यूजीलैंड में, आस्ट्रेलिया में खेल चुके हैं। इन सभी अनुभवों से काफी कुछ सीखने को मिलता है। इन सभी अनुभवों को मिलाकर अभ्यास करेंगे तो परिणाम अच्छा ही होगा।' यह पूछने पर कि क्या दो स्पिनरों को उतारने की रणनीति सही होगी, तेंदुलकर ने कहा, 'यह पिच पर निर्भर करेगा। पिच पर घास है या नहीं। अगर घास नहीं है तो दो स्पिनरों को उतारा जा सकता है।'

विराट कोहली और रोहित के बिना भी भारतीय टीम में काफी गहरायी : कार्स

लंदन । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना भी भारतीय टीम काफी अच्छी है और उसे कमजोर समझने की भूल नहीं की जा सकती है । कार्स के अनुसार भारतीय टीम को विराट और रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की कमी से झटका जरुर लगा है पर इसके बाद भी उसकी बल्लेबाजी में काफी गहरायी है । इसलिए इन दोनो के नहीं होने के बाद भी पांच मैच की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम कड़ी चुनौती पेश करेगी कोहली और रोहित ने पिछले महीने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिय था जिसके बाद युवा शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया था । कार्स ने कहा, '' ये सही है कि कोहली और रोहित की अनुपस्थिति उनके बल्लेबाजी क्रम के लिए बहुत बड़ी क्षति है । वे एक दशक से अधिक समय से बल्लेबाजी संभालते रहे हैं और बेहद अनुभवी विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं ।'' उन्होंने कहा, '' पर इसके बाद भी भारतीय क्रिकेट में जो गहराई है और जिस तरह के खिलाड़ी आ रहे हैं, उससे उनकी टीम काफी अच्छे अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों के साथ उतरेगी और वे हमें कड़ी चुनौती देंगे ।'' ये सीरीज लीड्स टेस्ट के साथ शुक्रवार से शुरू होगी । तेज गेंदबाज कार्स ने कहा कि उनका गेंदबाजी आक्रमण पिचों की के अनुनसार युवा भारतीय बल्लेबाजी क्रम के कम अनुभवों का लाभ उठाने का प्रयास करेगा । कार्स ने कहा, ''उनके पास स्तरीय खिलाड़ी हैं । यह इस बात पर निर्भर करता है कि पिच कैसी रहती है । मुझे लगता है कि कोई भी बल्लेबाज जिसे आप गेंदबाजी कर रहे हैं, आप जानते हैं कि नई गेंद से या शुरुआती 20 गेंद पर आउट होने की संभावना अधिक है ।''

सान्या मल्होत्रा ने अपने सिग्नेचर माचा ब्लेंड के साथ एंटरप्रेन्योरशिप में कदम रखा

ऐसी इंडस्ट्री में जहाँ रफ्तार अक्सर ठहराव पर हावी हो जाती है, सान्या मल्होत्रा ने एक अलग राह चुनने का फैसला किया है। अपनी दमदार अभिनय क्षमता और ज़मीन से जुड़ी सादगी के लिए मशहूर, इस प्रशंसित अभिनेत्री ने अब अपने नाम के आगे एंटरप्रेन्योर का टैग भी जोड़ लिया है। अपना खुद का माचा वेंचर शुरू किया है, जो उनके व्यक्तिगत जीवन दर्शन- संतुलन, शांति और सजग जीवनशैली- को दर्शाता है। सान्या मल्होत्रा ने डॉ. कुणाल शाह और सिद्धार्थ शाह, जो कि क्लीन-लेबल वेलनेस में एक विश्वसनीय नाम, एसेंज़ा न्यूट्रिशन के संस्थापक हैं, उनके साथ साझेदारी की है, इस साझेदारी के तहत उन्होंने ब्री माचा नाम की एक प्रीमियम लाइफस्टाइल ब्रांड पेश किया है, जो पारंपरिक जापानी चाय संस्कृति की शांति, स्पष्टता और अनुष्ठान से प्रेरित है। यह नई वेलनेस पेशकश सिर्फ़ एक व्यावसायिक कदम नहीं है, बल्कि यह सान्या की एक निजी आदत को सार्वजनिक रूप देने जैसा है। सान्या मल्होत्रा ने कहा, ऐसे समय में जब सब कुछ तत्कालिन लगता है, ब्री माचा मुझे धीमा होने और सोच-समझकर काम करने की व्यक्तिगत याद दिलाता है। यह एक एसा अनुष्ठान है जिस पर मैं गहराई से विश्वास करती हूं, और मुझे गर्व है कि मैं कुछ ऐसा बना रही हूं जो प्राकृतिक ऊर्जा और शांतिपूर्ण फोकस को समर्थन देता है। वेलनेस और लाइफस्टाइल की दुनिया में उनका यह कदम एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जहाँ सेलिब्रिटी न केवल उत्पादों का प्रचार कर रहे हैं, बल्कि उन्हें नए सिरे से बना रहे हैं। सान्या मल्होत्रा की नई पहल स्वच्छ ऊर्जा, मानसिक स्पष्टता और सोच-समझकर जीने के मूल्यों को बढ़ावा देती है। जो उनकी अपनी शांत आभा और स्टारडम के प्रति विचारशील दृष्टिकोण को दर्शाता है। और जब वह अपनी एंटरप्रेन्योरशिप की नई कहानी लिख रही हैं, सान्या का अभिनय करियर भी पूरी रफ़्तार पर है। 'मिसेज' में उनके शानदार प्रदर्शन जिसे दर्शकों और आलोचकों दोनों ने समान रूप से सराहना की है, वहीं ठग लाइफ के हाई-एनर्जी ट्रैक जिंगुचा में उनके जबरदस्त प्रदर्शन ने इंटरनेट पर धूम मचा दी है, जिसमें उनकी गहन उपस्थिति और सहज करिश्मा को सराहा जा रहा है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी जैसी बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं और अनुराग कश्यप और बॉबी देओल के साथ एक रोमांचक सहयोग के साथ, सान्या ध्यानपूर्वक ब्रांडिंग और आकर्षक परफॉर्मेंस से परिवर्तन की दोनों दुनियाओं को सहजता से संतुलित कर रही हैं।

तृप्ति डिमरी की लव स्टोरी पर लगा ब्रेक

हीरोइन नंबर वन बनने को बेकरार अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार फहाद फासिल के साथ प्रस्तावित निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म अनिश्चतकाल के लिए स्थगित हो गई है। ये फिल्म रिलायंस एंटरटेनमेंट के साथ बनी इम्तियाज की साझा कंपनी विंडो सीट फिल्म्स के बैनर तले बननी है, लेकिन रिलायंस के सूत्र बताते हैं कि इस फिल्म के लिए अभी तक बजट मंजूर नहीं हुआ है। जानकारी के मुताबिक फहाद फासिल ने भी फिल्म के लिए आवंटित तारीखें अब दूसरी फिल्मों को दे दी हैं। फिल्म 'एनिमल' में फिल्म में मिले उपनाम भाभी 2 को लेकर सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंडिंग रहीं अभिनेत्री तृप्ति डिमरी का करियर इन दिनों नई उड़ान पर है। हालांकि, इस फिल्म के बाद आई उनकी दो फिल्में 'बैड न्यूज' और 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' फ्लॉप रहीं लेकिन फिल्म 'भूल भुलैया 3' ने उनकी पोजीशन फिर संभाल ली है। इस फिल्म के बाद से ही तृप्ति की मांग काफी बढ़ चुकी है। इस साल की उनकी पहली फिल्म 'धड़क 2' अब जल्द रिलीज होने वाली है। तृप्ति डिमरी की इस साल की पहली फिल्म की रिलीज जैसे जैसे करीब आती जा रही है, उनको अपनी फिल्मों में लेने वाले निर्माता-निर्देशकों की सांसें तेज होती जा रही है। 1 अगस्त को रिलीज होने जा रही तृप्ति की फिल्म 'धड़क 2' में उनके हीरो सिद्धांत चतुर्वेदी की सिनेमाघरों में सोलो लीड वाली ये दूसरी फिल्म होगी। सिद्धांत का जैसा हाल बॉक्स ऑफिस पर रहा है, उससे खुद तृप्ति की भी रातों की नींद उड़ी हुई है।

गौरतलब है कि सिद्धांत की पिछली फिल्म 'युधरा' रिलीज के पहले दिन ही फ्लॉप घोषित हो गई थी। इस बीच तृप्ति डिमरी हाल ही में दीपिका पादुकोण द्वारा छोड़ी गई फिल्म 'स्पिरिट' के लिए अभिनेता प्रभास के साथ साइन होने के बाद से सुर्खियों में हैं। दीपिका ने ये फिल्म काम के घंटे तय न होने के चलते छोड़ी है। तृप्ति के पास 'स्पिरिट' के ही निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल पार्क' भी है जिसमें वह फिल्म 'एनिमल' का अपना किरदार आगे बढ़ाती नजर आएंगी। इतनी उथल पुथल के बीच हालांकि इम्तियाज अली वाली फिल्म की शूटिंग शुरू न हो पाने का सीधा असर तृप्ति की दूसरी फिल्मों पर भी जरूर पड़ेगा। उधर, विंडो सीट फिल्म्स के सूत्रों के मुताबिक अभी निर्देशक इम्तियाज अपनी जिस फिल्म में व्यस्त हैं, उसकी रिलीज अगले साल बैसाखी पर प्रस्तावित है। फहाद और तृप्ति की फिल्म की शूटिंग अगर शुरू हुई तो उसके बाद ही हो सकेगी।

'डॉन 3' में कियारा को रिप्लेस करेंगी कृति सेनन!

कृति सेनन इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच अब खबरें आ रही हैं कि एक्ट्रेस फिल्म डॉन 3 में नजर आ सकती हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें जब पैपराजी ने कृति को लेडी डॉन कहकर बुलाया, तो वह मुस्कुरा दीं। इसके बाद से यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि कियारा आडवाणी की जगह अब कृति सेनन फिल्म में नजर आ सकती हैं। कृति सेनन मुंबई में किसी इवेंट में शिरकत करने पहुंची थीं। जैसे ही वह बाहर आईं, पैपराजी ने उन्हें पोज देने के लिए कहा। इसी दौरान पहले उन्हें परम सुंदरी कहकर पुकारा गया और फिर डॉन-डॉन की आवाजें आने लगीं। इतना ही नहीं, एक फोटोग्राफर ने उन्हें लेडी डॉन भी कह दिया। यह सुनते ही कृति ने कोई जवाब तो नहीं दिया, लेकिन वह मुस्कुराती हुई नजर आईं। रिपोर्ट के मुताबिक, कृति सेनन ने फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ काम करने के लिए हामी भर दी है। अभी उन्होंने फिल्म साइन नहीं की है, लेकिन जल्दी ही कर सकती हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि डायरेक्टर फरहान अख्तर और

उनकी टीम को ऐसी एक्ट्रेस चाहिए थी जो अच्छी एक्टिंग करे और जिसका स्क्रीन पर दमदार असर हो और कृति इस रोल के लिए एकदम सही लगीं। हालांकि, इसको लेकर अब तक कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। 2026 में रिलीज होगी फिल्म डॉन 3 बता दें, डॉन 3 फिल्म में रणवीर सिंह नजर आएंगे। इस फिल्म में पहले उनके अपोजिट कियारा आडवाणी नजर आने वाली थीं। लेकिन प्रेग्नेंसी की वजह से उन्होंने यह मूवी छोड़ दी है। यह फिल्म साल 2026 में रिलीज हो सकती है।

भोजपुरी अदाकारा रानी चटर्जी के लिए यह साल काफी धमाकेदार है। एक के बाद एक फिल्में उनके हाथ लग रही हैं। हाल ही में उनकी फिल्म प्रिया ब्यूटी पार्लर यूट्यूब पर रिलीज हुई। इसके बाद उन्होंने घमंडी बहू की शूटिंग पूरी की। अब रानी के हाथ एक और फिल्म लगी है, जिस पर उन्होंने काम शुरू कर दिया है।

राकेश बाबू के साथ जमेगी जोड़ी

रानी चटर्जी की अगली फिल्म का नाम है परिणय सूत्र। हाल ही में पूजा सेरेमनी के साथ इस पर काम शुरू हुआ है। आज मंगलवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से मुहूर्त पूजा की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इस फिल्म में रानी के साथ राकेश बाबू लीड रोल में हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म में रानी और राकेश पति-पत्नी की भूमिका अदा करेंगे।

रानी चटर्जी ने शुरू की फिल्म परिणय सूत्र की शूटिंग

क्या पापा आमिर की कोई भूमिका परदे पर करना चाहेंगे जुनैद

जुनैद खान ने फिल्म महाराज से एक्टिंग डेब्यू किया, जो ओटीटी पर रिलीज हुई थी। फिर 'लवयापा' से बड़े परदे पर डेब्यू किया। इससे पहले जुनैद खान थिएटर भी कर चुके हैं। हाल ही में जुनैद खान ने पिता आमिर खान से तुलना होने पर प्रतिक्रिया दी। साथ ही यह भी बताया कि क्या वे अपने पिता का कोई किरदार परदे पर निभाना चाहेंगे? अभिनेता जुनैद खान यह मानते हैं कि फिल्मी परिवार से होने का उन्हें फायदा मिला है। साथ ही यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि उनकी पहचान अपनी प्रतिभा के बूते हो। हाल ही में एक इंटरव्यू में जुनैद ने कहा कि आमिर खान का बेटा होने के कारण उनके लिए चीजें आसान हो जाती हैं। साथ ही उन्होंने कहा, मैं एक बहुत अमीर परिवार से आता हूं। पापा का सम्मान किया जाता है, उन्हें प्यार किया जाता है और वे पावरफुल हैं। कुछ प्रिविलेज भी हैं, जिनका मुझे फायदा मिलता है। जुनैद से जब पूछा गया कि अपने पिता के प्रभाव के बिना क्या उनका करियर अलग होता? इस पर जुनैद ने कहा, हां, आदि चोपड़ा जानते हैं कि मैं कौन हूं, क्योंकि मैं आमिर खान का बेटा हूं। वे पृथ्वी थिएटर में नाटक देखने नहीं आते। ज्यादातर लोग मुझे इसलिए जानते हैं, क्योंकि मैं आमिर खान का बेटा हूं। लेकिन मैं भाग्यशाली हूं कि मेरी तुलना उनसे करने वाले बहुत कम लोग हैं। मूल रूप से लोग मुझे मेरे अब तक के करियर में मेरी प्रतिभा की वजह से आंकते हैं, जो एक तरह से अच्छी बात है। अगर मेरी तुलना मेरे पिता से की जाएगी तो यह मुश्किल होगा। जुनैद खान के मुताबिक आमिर खान ने महाराज के निर्माण के दौरान उन्हें गाइड किया, लेकिन उनके एक्टिंग चॉइस को आकार देने से दूर रहे। जुनैद ने कहा कि पापा का महाराज से ज्यादा लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहानी सुनी और उसे पसंद किया, लेकिन मुझसे पूछा कि क्या मैं श्योर हूं कि अपने करियर की शुरुआत में ही इतनी बड़ी फिल्म करना चाहता हूं। उन्होंने फिल्म का फाइनल कट देखा और उन्हें वह पसंद आया। जुनैद ने कहा कि अगर आपको किसी सलाह की जरूरत है तो पापा हमेशा एक प्रैक्टिकल सलाह देंगे। जैसे कि वे उन लोगों में से नहीं हैं, जो सिर्फ अभिनय के टिप्स देंगे।

'हेरा फेरी 3' और परेश रावल की वापसी पर अक्षय कुमार ने तोड़ी चुप्पी

पिछले दिनों 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा बनने के बाद परेश रावल ने इस फिल्म से किनारा कर लिया। परेश रावल इस फैंचाइज से अलग हुए तो फैंस को बुरा लगा। साथ ही मामले ने कानूनी रूप भी ले लिया। अक्षय कुमार ने बतौर प्रोड्यूसर परेश रावल को नोटिस भेजा है। फिल्म के नुकसान के बदले 25 करोड़ की डिमांड की थी। इसका जवाब भी परेश रावल ने कोर्ट में देने की बात कही।

हाल ही में अक्षय कुमार के सुर कुछ बदले से नजर आए। फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर अक्षय कुमार ने बड़ी बात कह दी है। अक्षय ने जो कहा है, उससे यह उम्मीद जागती है कि परेश रावल दोबारा इस फिल्म का हिस्सा बन सकते हैं?

अक्षय कुमार की बातों से मिला बड़ा इशारा

हाल ही में पिंकविला से की गई बातचीत में अक्षय कुमार कहते हैं, 'जो कुछ भी हो रहा है, वह आपके सामने हो रहा है। मैं अपनी फिंगर क्रॉस करके रख रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि सब कुछ ठीक रहेगा।' वह फैंस को दोबारा भरोसा दिलाते हुए कहते हैं, 'सब कुछ ठीक ही होगा। मुझे पक्का पता है।' यह जवाब अक्षय कुमार फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर देते हैं।

परेश रावल ने भी हिंट दिया

कुछ दिन पहले ही परेश रावल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह गीता बसरा से मिल रहे है। इस वीडियो में परेश रावल ने जो टी- शर्ट पहनी है, उस पर यूजर्स का ध्यान गया। दरअसल, परेश की टी- शर्ट पर लिखा था, डोंट क्रिट।' इस शब्द को पढ़कर फैंस को लगा कि परेश रावल 'हेरा फेरी 3' को लेकर कोई हिंट दे रहे हैं।

फैंस को 'हेरा फेरी 3' से गहरा लगाव क्यों?

जब से फिल्म 'हेरा फेरी 3' से परेश रावल अलग हुए, फैंस काफी दुखी है। इस फिल्म में वह बाबू भैया का रोल निभाते थे, अक्षय कुमार राजू और सुनील शेट्टी श्याम के रोल में दिखते हैं। इन तीनों की जोड़ी को फिल्म में दर्शक काफी पसंद करते हैं। फैंस का मानना है कि बाबू भैया के बिना तो फिल्म बन ही नहीं सकती है।

कॉमेडी में हाथ आजमाना चाहते हैं मोहित रैना

अभिनेता मोहित रैना को टीवी शो देवों के देव महादेव में भगवान शिव की भूमिका के लिए जाना जाता है। इसके अलावा वे शिद्दत और उरी जैसी फिल्मों में भी अहम रोल अदा कर चुके हैं। बीते दिनों रिलीज हुई सीरीज कनखजूरा में मोहित रैना नेगेटिव रोल में नजर आए। उन्होंने अपने इस किरदार को लेकर हाल ही में बात की। मोहित रैना का कहना है कि वे परदे पर अच्छे इंसान की भूमिकाओं से बाहर निकलना चाहते थे। तभी कनखजूरा उनके पास आई। बातचीत में मोहित रैना ने कहा, मैं जानबूझकर कुछ और नहीं कर रहा था, क्योंकि मैं एक्सपेरिमेंट करना चाहता था। और यही वह समय था, जब यह मौका मेरे पास आया और मैंने इसे लपक लिया।

कॉमेडी में भी दिखाई दिलचस्पी

उन्होंने कॉमेडी जेनर में भी काम करने के लिए उत्सुकता जाहिर की। एक्टर ने कहा, कॉमेडी ऐसी चीज है, जिसे मैं करना चाहता हूं। बता दें कि कनखजूरा इजरायली सीरीज 'मैगपाई' का एडेप्टेशन है। इसमें मोहित रैना और रोशन मैथ्यू मुख्य किरदारों में है। यह सीरीज सोनी लिव पर मौजूद है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।